मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शुक्रवार, 18 जुलाई 2025
संवत 2082, श्रावण कृष्ण 8 संवत मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 314 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ युद्ध की लपटों में घिरी दुनिया
राजकुमार राव की फिल्म मालिक को मिला करीना का सपोर्ट, शेयर किया वीडियो ◀◀ 6

बंद पड़े स्कूल भवन का गिरा छत , बुजुर्ग की मौत दो घायल, उपायुक्त ने मुआवजा देने का दिया निर्देश

- सुरक्षा की दृष्टि से जर्जर स्कूल भवन को पूरी तरह से ध्वस्त करने की होगी कार्रवाई
- जिला प्रशासन की स्थानीय निवासियों से अपील, सुरक्षा की दृष्टि से विद्यालय भवन परिसर में न करें प्रवेश
- वर्ष 2018 में राज्य सरकार की स्कूल मर्जर नीति के तहत बंद किया गया था स्कूल

संवाददाता

रांची : सुखदेवनगर थाना क्षेत्र स्थित पिस्का मोड़ के पास शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। टंगरा टोली में स्थित एक पुराने और लंबे समय से बंद पड़े स्कूल भवन की छत अचानक गिर गई, जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि तीन नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज देव कमल अस्पताल में चल रहा है।

बताया जा रहा है कि घटना के समय स्कूल भवन के पास कुछ लोग खड़े थे। जबकि कुछ लोग इमारत के अंदर मौजूद थे। तभी अचानक छत भरभराकर गिर पड़ी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान सुरेश बैठा के रूप में हुई है, जो बारिश के चलते अपने घर की बजाय स्कूल भवन में सो रहे थे। वहीं घायलों में प्रीतम टिर्की, रोहित लकड़ा और मनीष नामक का नाम शामिल हैं।

जर्जर भवन होने के कारण लंबे समय से बंद था स्कूल : प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस स्कूल की छत गिरी है वह सरकारी स्कूल था, जो लंबे समय से बंद पड़ा था। भवन की हालत काफी जर्जर हो चुकी थी, जिस कारण स्कूल को सरकार ने 2018 में स्कूल मर्जर नीति के तहत बंद कर दिया था और बच्चों को नजदीकी स्कूलों में शिफ्ट कर दिया गया था। तब से यह भवन खाली और जर्जर हालत में पड़ा था। हालांकि स्कूल के खाली भवन में कुछ लोग रात में सोते थे। इसी दौरान शुक्रवार सुबह यह दर्दनाक हादसा हो गया।

नगर निगम व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, राहत कार्य शुरू: घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का काम युद्धस्तर पर शुरू किया गया है। अभी भी घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा है और प्रशासन यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि अगर कोई व्यक्ति मलबे में फंसा हो तो उसे जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जाए। उपायुक्त ने दिया मुआवजा देने का निर्देशः घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने अंचल अधिकारी को निर्देश दिया है कि मृतक के परिवार और घायलों को सरकारी नियमों के तहत मुआवजा दिया जाए।

पूरा बिल्डिंग तोड़ा जायेगा: प्रशासन ने बताया कि यह इमारत पहले ही खतरनाक घोषित की जा चुकी थी। अब पूरी बिल्डिंग को गिराने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे इस जर्जर स्कूल भवन के आसपास न जाएं।

शराब घोटाला : पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे को ईडी ने किया गिरफ्तार, भड़के बघेल बोले- यह जन्मदिन का तोहफा है

रायपुर : छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को दुर्ग जिले के भिलाई स्थित बघेल आवास पर छापेमारी के बाद यह गिरफ्तारी हुई। इस कार्रवाई पर भूपेश बघेल ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे केंद्र सरकार की बदले की राजनीति और अपने बेटे के लिए जन्मदिन का तोहफा करार दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, यह गिरफ्तारी 2,100 करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में की गई है। एजेंसी का दावा है कि मामले में कई नए सबूत सामने आए हैं, जो घोटाले की रकम हासिल करने में चैतन्य की संदिग्ध भूमिका की ओर इशारा करते हैं। इसी आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत यह कार्रवाई की गई।

इस गिरफ्तारी पर भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने मीडिया से कहा, अपने आकाओं को खुश करने के लिए मोदी और शाह ने मेरे घर ईडीभेज दी है। लेकिन भूपेश बघेल डरने वाला नहीं है, हम सच्चाई की लड़ाई लड़ेंगे।

उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि यह कार्रवाई उनके बेटे के जन्मदिन के दिन की गई है। किसी भी लोकतंत्र में कोई भी मोदी और शाह जैसा जन्मदिन का तोहफा नहीं दे सकता। मैं इसे जीवन भर याद रखूंगा।

बघेल ने कार्रवाई के समय पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी राज्य विधानसभा सत्र खत्म होने के ठीक एक दिन बाद और अदाणी से जुड़ी कोयला परियोजनाओं पर एक नियोजित चर्चा से ठीक पहले हुई है। इस बीच, गिरफ्तारी की खबर फैलते ही बघेल के घर के बाहर कांग्रेस समर्थकों का जमावड़ा लग गया, जिसके चलते भारी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

बता दें कि शराब घोटाले की जांच में यह कोई पहली बड़ी गिरफ्तारी नहीं है। इससे पहले इस मामले में वरिष्ठ कांग्रेस नेता कवासी लखमा, रायपुर के मेयर के भाई अनवर ढेबर और पूर्व क्अर अधिकारी अनिल टुटेजा समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

शहरी निकाय चुनाव को लेकर झारखंड हाईकोर्ट सख्त, मुख्य सचिव को किया तलब

संवाददाता

रांची : राज्य में स्थानीय शहरी निकाय चुनाव को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। यह याचिका निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो द्वारा दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई और राज्य के मुख्य सचिव को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया।

जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में इस अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के रवैये पर नाराजगी जाहिर करते हुए कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार न्यायालय के आदेश को बाईपास कर राज्य में रूल ऑफ लॉ का गला घोंट रही है। हाईकोर्ट अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 जुलाई 2025 को करेगी।

ट्रेन की चपेट में आने से तीन हाथियों की मौत, रेल सेवा प्रभावित

घाटशिला: दक्षिण पूर्व रेलवे खड़गपुर डिवीजन के सरडीहा झाड़ग्राम सेक्शन में 143 किलोमीटर11/13 पोल संख्या के बीच में रेल ट्रेक पार कर रहे तीन हाथी ट्रेन की चपेट आ गए। जिससे तीनों हाथी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक हाथी में एक व्यस्क व दो बच्चे शामिल है। ये घटना देर रात 12:50 बजे हुई है। घटना की रिपोर्ट मिलते ही रात्रि एक बजे अप व डाउन लाइन पर परिचालन रोक दिया गया था। रात में ही रेलवे की टीम घटनास्थल रवाना हो गई थी। घटनास्थल से मृतक हाथियों के शव को हटाया गया। अप लाइन सुबह 6 बजकर 15 मिनट तो डाउन लाइन 7 बजकर 30 मिनट पर चालू किया गया। इस घटना पर अब तक रेलवे के खड़गपुर डिवीजन से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

गोल्डन टेंपल को उड़ाने की धमकी देने वाले 2 गिरफ्तार तमिलनाडु से पकड़े गए,एसजीपीसी को भेजे थे 5 मेल

अमृतसर : अमृतसर के गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकियों के मामले में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। इस केस में तमिलनाडु से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को धमकी भरे ई-मेल भेजने के मामले में पकड़े गए हैं। 14 जुलाई से अब तक एसजीपीसी को पांच धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। मेल में गोल्डन टेंपल को आरडीएक्स से उड़ाने की बात कही गई थी। इसके बाद अमृतसर में सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में सख्त सुरक्षा और तलाशी अभियान चलाया गया। पिछले दो दिनों से जांच टीमें तमिलनाडु में सक्रिय थीं। दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया, लेकिन उनकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। अब एजेंसियां यह जांच कर रही हैं कि यह अकेला साइबर हमला था या इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क या कट्टरपंथी साजिश है।

सुप्रीम कोर्ट से लालू यादव को झटका

निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली: जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राजद सुप्रीमो लालू यादव को करारा झटका दिया है। अदालत ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट को मामले की सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्यवाही में पेशी से छूट देते हुए लालू यादव को थोड़ी राहत जरूर दी है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट से सीबीआई की प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने का अनुरोध किया। बता दें कि आरजेडी सुप्रीमो बीते दिन ही राहत की मांग लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। इससे पहले लालू यादव की इस मांग को दिल्ली हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया था। दिल्ली उच्च

न्यायालय ने कहा था कि कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को नोटिस जारी किया था और सुनवाई 12 अगस्त के लिए स्थगित कर दी थी।

याचिका में लालू प्रसाद यादव ने क्या कहा था? : अपनी याचिका में लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई की एफआईआर और 2022, 2023 और 2024 में दायर तीन आरोपपत्रों और संज्ञान आदेशों को रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा है कि रिपोर्ट 14 साल की देरी से 2022 में दर्ज की गई। जबकि सीबीआई ने प्रारंभिक पूछताछ और जांच सक्षम अदालत के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने के बाद बंद कर दी गई थी। उन्होंने कहा है कि पिछली जांच और उसकी क्लोजर रिपोर्ट को छुपाकर नई जांच शुरू करना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। उन्होंने तर्क दिया है कि उनको अवैध जांच से कष्ट सहना पड़ रहा है। जो निष्पक्ष जांच के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। वर्तमान जांच और पूछताछ दोनों ही गैर-कानूनी हैं, क्योंकि दोनों ही अनिवार्य अनुमोदन के बिना शुरू की गई हैं। इस तरह की मंजूरी के बिना की गई कोई भी जांच शुरू से ही अमान्य होगी।

नौकरी के बदले जमीन का मामला क्या? : अधिकारियों ने बताया कि यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। यह नियुक्ति 2004 से 2009 के बीच लालू के रेल मंत्री रहने के दौरान की गई थी। इन नियुक्तियों के बदले में लोगों ने राजद सुप्रीमो के परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीन के टुकड़े उपहार में दिए या हस्तांतरित किए। 18 मई 2022 को लालू और उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी मुकदमा चलाने की मंजूरी मिल चुकी है : इससे पहले कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने 14 मई को दिल्ली की एक अदालत को बताया था कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर मुकदमा चलाने के मंजूरी मिल गई है। यह घोटाला उस समय हुआ था, जब लालू प्रसाद केंद्रीय रेल मंत्री थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 8 मई को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। राष्ट्रपति ने सीआरपीसी की धारा 197(1) (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218) के तहत अनुमति प्रदान की थी।

दिल्ली के 20 स्कूलों को सुबह-सुबह मिली बम से उड़ाने की धमकी, फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम मौके पर

नई दिल्ली: दिल्ली में आए दिन स्कूल, कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के 20 से ज्यादा स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। पुलिस के अनुसार, दिल्ली के पश्चिम विहार में रिचमंड ग्लोबल स्कूल को बम की धमकी मिली है। बम की धमकी की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और दिल्ली पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम जांच पड़ताल कर रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग ने जानकारी देते हुए कहा कि जांच चल रही है। पिछले तीन दिनों में दिल्ली के दस स्कूलों और एक कॉलेज को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की और स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया।

दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल को भी बम की धमकी मिली है। पश्चिम विहार स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल में शुक्रवार तड़के बम होने की सूचना मिली। सूचना ई-मेल के जरिए तड़के 4 l55 बजे मिली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ साथ बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं। स्कूल के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है। अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। तलाशी अभियान के बाद ही छात्रों को स्कूल में प्रवेश की इजाजत होगी। वहीं रोहिणी सेक्टर तीन स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को भी बम की धमकी मिली।

दिल्ली के बाद अब बंगलूरू के 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट पर पुलिस, तलाशी अभियान जारी : बंगलूरू :राजधानी दिल्ली के बाद भारत का सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बंगलूरू के 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद बंगलूरू प्रशासन सतर्क हो गया है। बंगलूरू पुलिस ने बताया कि आरआर नगर और केंगेरी सहित बेंगलुरु शहर के 40 निजी स्कूलों को आज बम की धमकी भरे ईमेल मिले हैं। जिसके बाद शहर के सभी स्कूलों में तलाशी और जांच शुरू कर दी गई है।

न्यूज IN ब्रीफ

गंदी राजनीति सिल्ली के समग्र विकास में बाधा: धनपति महतो

सिल्ली: सिल्ली विस क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी सह समाजसेवी धनपति महतो ने सिल्ली में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि लंबे समय से गंदी राजनीति के कारण सिल्ली का जो विकास होना था वह नहीं हो पाया है । हर क्षेत्र में गलत कार्य हो रहा है। गरीब शोषित लोग जो सरकारी योजनाओं के हकदार है वो लोग इस लाभ से वंचित है । इसका एक उदाहरण यह भी है किलगातार हो रही बारिश से गरीब लोगों का घर गिर रहा है लोग घर गिरने से दब कर मर रहे है । घटना घटते ही फोटो खिचवाने लोग पहुंच जाते है यह गंदी राजनीति नही तो और क्या है। श्री महतो ने आगे कहा कि क्षेत्र के लोगों से रोज शिकायतें मिलती है शिक्षण संस्थान से लेकर प्रखंड हो या थाना हर जगह राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता दलाल बनकर हावी है. ग्रामीण स्तर पर किसी पद का नियुक्ति के लिए आमसभा होता है तो वहां भी ये दलाल लोग हावी हो जाते है और अयोग्य उम्मीदवार के चयन के लिए दबाब बनाते हैं। जैसा की राहे प्रखंड के चिरूडीह आंगनबाड़ी सहायिका का चयन में हुआ है । दलाल ने मोटी रकम ली और सीडीपीओ से मिलकर चयन प्रक्रिया को अनदेखी करते हुए गलत को चयन उम्मीदवार का चयन कर दिया।

बिजली गिरने से खेत में काम कर रही महिला की मौत

खूंटी :अड़की थाना क्षेत्र के किताडीह गांव में एक दुखद घटना घटी। जहां बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना सोसोकुटी पंचायत के किताडीह गांव के खेत में हुई, जहाँ धान रोपाई का काम कर रही महिला बिजली की चपेट में आ गई। मृतका शीतला देवी (45 वर्ष) अपने पति जादू मुंडा के साथ खेत में धान रोपाई का काम कर रही थीं। दोपहर करीब 2 बजे अचानक तेज बारिश के साथ बिजली कड़की और एक भीषण टनका (बिजली का झटका) उसी खेत में गिरा, जहाँ शीतला काम कर रही थीं। बिजली गिरते ही वहीं उनकी मौत हो गई। आसपास के खेतों में काम कर रही अन्य महिलाओं ने शीतला को जमीन पर गिरा देखा और तुरंत उनके परिजनों को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुँचने तक शीतला का निधन हो चुका था। ग्रामीणों ने मिलकर उनके शव को गाँव लाया और पुलिस को सूचित किया। अड़की पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव का पंचनामा किया और उसे थाना ले गई। शव को आगे की कार्रवाई के लिए खूंटी रेफरल अस्पताल भेजा गया है, जहाँ कल पोस्टमार्टम किया जाएगा। शीतला देवी अपने पीछे पति और तीन बेटियों को छोड़ गई हैं। इस घटना से पूरा गाँव स्तब्ध है। मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद खुले मैदान में काम करने वाले किसानों के लिए यह घटना एक बड़ा सबक है।

झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अहम बैठक, इस वर्ष होंगे नगर निकाय चुनाव

चतरा: परिषदन चतरा में झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव ने की। बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, नगर परिषद पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में शीघ्र नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करना था। इस मौके पर आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि आयोग द्वारा पूरे झारखंड में 15 जिलों का तूफानी दौरा किया जा रहा है। इसी क्रम में चतरा में यह बैठक हुई है, जबकि कल हजारीबाग में बैठक आयोजित की गई थी। इसी तरह लगातार बैठकों का दौर जारी है। अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव ने बताया कि आयोग का मकसद ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया को मजबूती देना है। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों में यह देखा जा रहा है कि वहां के मतदाता किस जाति व किस वर्ग से संबंधित हैं। इसके लिए तैयार की गई रिपोर्ट की बैठक में विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने ने बताया कि कुछ जिलों से गड़बड़ियों की शिकायतें भी मिली थीं। इन शिकायतों के निवारण के लिए प्रत्येक जिला एवं वार्ड स्तर पर निवारण समिति का गठन किया गया है। अब यह जांच की जा रही है कि शिकायतों का समाधान सही ढंग से हुआ है या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग इस बात को सुनिश्चित करना चाहता है कि प्रत्येक मतदाता का नाम, जाति और वर्ग स्पष्ट रूप से दर्ज हो ताकि आने वाले नगर निकाय चुनावों में पिछड़े वर्ग को आरक्षण का लाभ मिल सके। नगर निकाय चुनाव पर संशय के बीच जानकी प्रसाद यादव ने आश्वस्त करते हुए कहा कि कि इस वर्ष नगर निकाय चुनाव अवश्य होंगे और राज्य सरकार का यह लक्ष्य है कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की मंशा है कि गांव से लेकर शहर तक का सर्वांगीण विकास हो। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव के अभाव में विकास कार्यों में रुकावट आई है। चुनाव न होने के कारण फंड खर्च नहीं हो पा रहे हैं, जिससे योजनाएं लंबित पड़ी हैं।

अवैध बालू कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 8 गाड़ी जब्त

सिल्ली : सिल्ली विस क्षेत्र के राहे थाना क्षेत्र के ईचाहातु बालू घाट मे विधायक अमित महतो की पहल पर राहे पुलिस और बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश ने अवैध बालू कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है । विधायक को सूचना मिली थी कि राहे थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बालू की तस्करी की जा रही है इस सूचना पर विधायक जब राहे से पतराहातु की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में अवैध बालू ले जा रहा हाईवा दिखाई दिया। इसकी सूचना विधायक ने डीएमओ को दी इस स्थिति को देख पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके से 5 ट्रैक्टर एक हाईवा,एक जेसीबी, एक टर्बो और एक एस्क 300 कार को जब्त की है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। इस दौरान इस कार्रवाई मे सिल्ली विधायक अमित महतो ने रात 11 बजे से सुबह 10 बजे तक बालूघाट में डटे रहे उनके साथ भारी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहे और विधायक ने कहा कि इस तरह के अवैध काम करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई होगी ।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा

युवाओं का फूटा आक्रोश, छात्र संघ ने पूर्व सीएम चंपई से मिलकर दी विस घेराव की चेतावनी

संवाददाता

रांची: झारखंड के लाखों युवाओं के सब्र का बांध अब टूट चुका है। पिछले 9 वर्षों से जिस झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) का इंतजार करते-करते हजारों सपने मुरझा गए, उस पर अब एक निर्णायक संग्राम छिड़ गया है। छात्रों की इस लंबी पीड़ा को आवाज देने के लिए छात्र युवा अधिकार संघ, रांची ने मोर्चा संभाल लिया है। संघ ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मिलकर न केवल ज्ञापन सौंपा, बल्कि यह साफ कर दिया है कि यदि सरकार ने जल्द कोई कदम नहीं उठाया, तो इस बार झारखंड का हर एक युवा विधानसभा के घेराव के लिए तैयार है।

यह सिर्फ एक परीक्षा नहीं, बल्कि झारखंड के लाखों युवाओं का भविष्य है। संघ के सदस्यों ने बताया कि हजारों छात्र शिक्षा स्नातक (बीएड) और प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा (डीएलएड) जैसे शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे कर चुके हैं, लेकिन 2016 के बाद से कोई जेटेट परीक्षा नहीं हुई। यह देरी न केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के दिशानिर्देशों का खुला उल्लंघन है, बल्कि संविधान द्वारा दिए गए समान अवसर के अधिकार पर भी सीधा हमला है।

लाखों युवाओं की उम्मीदों पर तब और गहरी चोट लगी, जब 3.5 लाख से अधिक आवेदकों के बावजूद सरकार ने बिना किसी स्पष्ट कारण के जेटेट का विज्ञापन वापस ले लिया। इस एक फैसले ने युवाओं के मन में निराशा और आक्रोश भर दिया, लेकिन अब यही निराशा एक नए आंदोलन को जन्म दे रही है। संघ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि इस बीच कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला, तो मानसून सत्र में विधानसभा का घेराव कर सरकार को उसकी जिम्मेदारी का एहसास कराया जाएगा। यह आंदोलन सिर्फ जेटेट परीक्षा को आयोजित करने की मांग नहीं है, बल्कि यह उन लाखों युवाओं की आवाज है, जो पिछले 9 वर्षों से सिर्फ एक अवसर का इंतजार कर रहे हैं। यह उनकी लड़ाई है और वे इसे तब तक नहीं छोड़ेंगे जब तक न्याय नहीं मिल जाता।

वज्रपात से दो व्यक्ति की मौत

संवाददाता

सिमडेगा: जलडेगा थाना क्षेत्र के लम्बोई बाड़ीसेमर गांव में वज्रपात से दो व्यक्ति की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार सुरेश गोड़ तथा राजकिशोर गोड़ दोनों व्यक्ति धान रोपाई के लिए ट्रैक्टर से खेत जोताई के लिए खेत पर गये थे। खेत जोताई खत्म करने के बाद घर की ओर दोनों आ रहे थे। इसी दौरान बारिश होने लगा तथा इसी बीच रास्ते पर ही दोनों व्यक्ति के ऊपर वज्रपात हो गया। जिससे दोनों व्यक्ति का शरीर में धुआं उठने लगा तथा दोनों व्यक्ति का घटनास्थल पर ही मौत हो गया। वही ट्रैक्टर मालिक टिनगिना निवासी रमेश साय वज्रपात के हल्के चपेट मे आ कर घायल हो गया। कुछ देर के लिए वह बेहोश हो गया। होश आने के बाद वह मृतकों के परिजनों के घर आकर घटना की जानकारी दी। घटना की सुचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया। इधर घटना के बाद दो व्यक्ति के आकस्मिक मौत से गांव में मातम छा गया, वही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

खूंटी सदर अस्पताल में मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड के मरीजों से भरे बेड

खूंटी: जिला सदर अस्पताल के सभी बेड मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड के मरीजों से भरे हुए हैं। मच्छरों के लार्वा और उनके काटने से गांव-शहर के लोग मलेरिया की चपेट में आ रहे हैं, वहीं स्वच्छ पेयजल की कमी से होने वाली बीमारियों के मरीज भी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

डीएस अनाद कुमार ने बताया कि अस्पताल में मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड के मरीजों की संख्या अधिक है, जिसको देखते हुए अस्पताल में साफ-सफाई और मरीजों के इलाज पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, मच्छरों और डेंगू से बचाव के लिए पूरे अस्पताल में फॉगिंग की जा रही है। कई मरीज दवा लेकर घर पर ही आराम कर रहे हैं, लेकिन हर दिन नए मरीज और उनके परिजन अस्पताल पहुंच रहे हैं।

पहले ओपीडी में सोमवार और शुक्रवार को हाट-बाजार के दिनों में मरीजों की भीड़ रहती थी, लेकिन इस साल भारी बारिश, जलजमाव और कचरे के कारण मच्छरजनित बीमारियां बढ़ी हैं। हालांकि, सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी ने बताया कि अभी तक खूंटी में डेंगू और चिकनगुनिया के मामले सामने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल के अलावा अन्य सीएचसी में भी मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड के मरीज आ रहे हैं। मच्छरों के प्रकोप को रोकने के लिए दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। पिछले साल जुलाई-अगस्त में मलेरिया और डायरिया के मामले अधिक थे, लेकिन इस साल स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता से इन बीमारियों में कुछ कमी आई है।

पुलिस ने किया विद्यालय में हुई चोरी का उद्भेदन

उपकरण के साथ एक चोर गिरफ्तार,दो फरार

संवाददाता

चतरा: जिले के कुन्दा थाना अंतर्गत मेदवाडीह उच्च विद्यालय से चोरी गई पांच मॉनिटर, पांच कम्पयुटर का सीपीयू , पांच की-बोर्ड, पांच माउस, छह बैटरी, एक प्रिंटर, एक स्टेप्लाईजर, एक यूपीएस को पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस मामले में चोरी की घटना में शामिल एक चोर को भी गिरफ्तार किया गया है। अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकारों से बातचीत में एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने लिखित आवेदन दिया था कि विद्यालय में रखे पांच कम्प्युटर सेट, बैट्री एवं अन्य उपकरणों की चोरी कर ली गई है। चोरी से संबंधित कुन्दा थाना कांड संख्या-18/2025. दिनांक-14.07.2025, धारा-305 भारतीय न्याय संहिता दर्ज

कराया गया था। एसपी ने बताया कि उनके निर्देश पर थाना प्रभारी कुन्दा के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा की गई छापेमारी के दौरान चंदन कुमार (19 वर्ष) पे० गुलाबचंद यादव, सा०-मेदवाडीह, थाना-कुन्दा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार चोर की निशानदेही पर बहेलवाखाप (मेदवाडीह) जंगल में बने सुरंगनुमा पत्थर के नीचे से उक्त उपकरण बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार चंदन कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मामले में दो अन्य अभियुक्तों की भी संलिप्तता सामने आई है। दोनो अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है। छापेमारी दल में पुअनि सह थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह,

पुअनि विक्रम कुमार,पुनि सुरेन्द्र कुमार सिंह,सअनि अशोक कुमार मण्डल और थाना सशस्त्र बल के जवान शमिल थे।

मनमाना टैक्स वसूली के विरुद्ध गोलबंद हो रहा टेंपो चालक संघ

- पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन
- बस स्टैंड के ठेकेदारो के गुंडों के द्वारा की जाती है मारपीट:संघ

संवाददाता

चतरा: जिला टेंपो चालक संघ की बैठक गुरुवार को नगवां मोड पर हुई। बैठक की अध्यक्षता का संघ के जिला अध्यक्ष राजू दबगर ने की। बैठक में नगर परिषद के द्वारा बहाल किए गए टैक्स कलेक्टरों के द्वारा टेंपो चालकों से मनमाने तरीके से टैक्स वसूली किए जाने का विरोध किया गया। टेंपो चालक संघ ने एक स्वर से प्रत्येक टेंपो चालकों से 25 रुपए टैक्स वसूली किए जाने का विरोध किया। बैठक के बाद संघ ने चतरा दौरे पर आए पिछड़ा आयोग वर्ग के अध्यक्ष पूर्व विधायक जानकी यादव को एक मांग पत्र भी सौंपा। इसके बाद संघ ने उपायुक्त को भी ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। पिछड़ा आयोग वर्ग के अध्यक्ष को दिए गए ज्ञापन में टेंपो चालक संघ ने बताया है कि नगर परिषद के द्वारा टैक्स वसूली के लिए बस स्टैंड का टेंडर किया गया है। बस स्टैंड के ठेकेदार के द्वारा टेंपो चालकों से मनमाने तरीके से टैक्स की वसूली की जा रही है। बड़े-बड़े शहरों में गरीब टेंपों चालकों से 5 रुपए की दर से टैक्स की वसूली की जाती है। जबकि चतरा जैसे जगह पर टेंपो चालकों से जबरदस्ती 25 रुपए टैक्स लिए जाते हैं। नियम है कि जो टेंपो चालक बस पड़ाव से सवारी उठाते हैं, उन्हें टैक्स देना पड़ता है। लेकिन चतरा में बस स्टैंड के ठेकेदार के लड़के सभी चौक चौराहों पर दबंगई से टेंपो चालकों से जबरदस्ती 25 रुपए टैक्स वसूल रहे हैं। यदि टेंपो चालक इसका विरोध करते हैं तो चालकों के साथ मारपीट भी किया जाता है। संघ ने बस स्टैंड के ठेकेदार के द्वारा किए जा रहे मनमानी पर रोक लगाने, ऑटो चालकों से बस स्टैंड के ठेकेदारों के गुंडो के द्वारा किए जाने वाले दुर्व्यवहार व मारपीट पर रोक लगाने, ऑटो चालकों से 5 रुपए टैक्स निर्धारण करने, टैक्स के बदले बस स्टैंड में चालकों के लिए कैंटीन एवं रैन बसेरे की व्यवस्था करने, ऑटो चालकों का दुर्घटना बीमा व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई है। संघ ने यह भी कहा है कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बैठक में प्रयाग यादव, सुरेश सिंह, मुकेश कुमार, उदय कुमार, सुरेंद्र दांगी, नवीन कुमार, मो उमर, कौशल किशोर सहित अन्य कई टेंपो चालक उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा की प्रतिमा प्रतिग्रस्त करने के विरोध में आदिवासी समाज की बैठक

मुरी: सिल्ली जतरा खपचाबेडा कलुवाडीह चौक पर कुछ दिन पहले बिरसा मुंडा की मूर्ति क्षतिग्रस्त मामले को लेकर विरोध में सिल्ली पंचायत भवन में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें बांसारूली पंचायत के मुखिया लालू राम उरांव के अगुवाई में आदिवासी संगठन के लोग विभिन्न क्षेत्रों आकर जुटे और एक स्वर में विरोध जताया। प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि दोषी व्यक्ति के पहचान होने के बाद प्रशासन द्वारा ढुल मूल रवैया

अपनाया गया इससे लोगों ने आक्रोश है आदिवासी संगठन के लोग इस मामले को लेकर रांची पुलिस अधीक्षक से मिलेंगे।जबतक दोषी दंड नहीं मिलता है तब तक विरोध जारी रहेगा। फिल हाल मूर्ति को प्लास्टिक से ढक दिया गया है।

पुलिस ने बधार जंगल में छापेमारी कर सात जुआरियों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

- एक लाख 61 हजार 530 नकद, 8 बाइक व 7 मोबाइल जब्त
- जुआरियों में हड़कंप तो आम लोगों ने की पुलिस की कार्रवाई की सराहना

संवाददाता

चतरा: सदर पुलिस ने बुधवार की रात बधार जंगल में छापामारी कर सात जुआरियों को एक लाख 61 हजार 530 रुपए नकद, आठ बाइक, सात मोबाइल, चार पैकेट ताश के पत्ता के साथ गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार जुआरियों में लिपदा मुहल्ला के मनोज कुमार, नईकी तालाब के नरेश विश्वकर्मा, किशुनपुर मुहल्ला के निर्मल कुमार, गुदरी मुहल्ला के मो० इरफान, मेन रोड के कृष्णा कुमार, पुराना पेट्रोल पंप के राजेश कुमार, पांचवां मुहल्ला के भूपेंद्र प्रसाद शामिल हैं।यह जानकारी थाना प्रभारी विपिन कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि बधार के जंगल में जुआ खेल हो रहा है। सूचना का आलोक में छापामारी टीम का गठन किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बधार जंगल पहुंचकर सात जुआरियों को धर दबोचा। साथ ही नकद, बाइक, मोबाइल व ताश का पत्ता जब्त किया गया।इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या-246/25 के तहत बीएनएस के धारा व जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर सभी को गुरुवार को जेल भेज दिया गया।थाना प्रभारी ने कहा कि जुआ व अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी के अलावा एएसआई रविरंजन कुमार समेत कई जवान शामिल थे।

अब तक उपलब्धियों भरा रहा है झारखंड पुलिस का साल 2025

नक्सल, साइबर क्राइम, अवैध नशे से जुड़े कारोबार, संगठित अपराध से जुड़े मामले में पुलिस को मिली है सफलता

संवाददाता

रांची: झारखंड पुलिस का वर्ष 2025 जून तक उपलब्धियों से भरा रहा है। नक्सल, साइबर क्राइम, अवैध नशे से जुड़े कारोबार, संगठित अपराध समेत अन्य महत्वपूर्ण मामलों में पुलिस को हर जगह पर उपलब्धि मिली है। शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में झारखंड पुलिस के प्रवक्ता सह आईजी अभियान माइकल राज ने प्रेसवार्ता में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस नक्सल को समाप्त करने के लिए नई रणनीति के तहत काम कर रही है। पुलिस ने अब तक नक्सलियों से कुल 113 हथियार जब्त किये है। वहीं, 8591 गोली और 176।5 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किये है। इसके अलावा 179 आईईडी को बरामद कर नष्ट किया है।

श्री राज ने कहा कि झारखंड पुलिस और ओडिसा पुलिस द्वारा ब्लॉग थाना अंतर्गत बाको से 3811 किलोग्राम जिलेटिन भी बरामद किया है। इसके अलावा भी अन्य मामलों में भी पुलिस को सफलता मिली है।

गिरफ्तारी :- वर्ष 2025 में माह-जून तक कुल 197 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें मुख्य रूप से रिजनल कमिटी मेम्बर-02, जोनल कमान्डर-01, सब जोनल कमान्डर-01 एवं एरिया कमान्डर-07 शामिल हैं। इनमें महत्वपूर्ण रूप से (1) आक्रमण गंझू उर्फ रविन्द्र गंझु आरसीएम (टीएसपीसी) 15 लाख इनामी (2) रणविजय महतो, 15 लाख इनामी आरसीएम (3) कुन्दन खेरवार उर्फ सुधीर सिंह। जेडसीएम , 10 लाख का ईनामी (4) गौतम यादव,एसजेडसी (5) सुनील मुण्डा उर्फ भारत जी एसी(टीएसपीसी) (6) रूपेश कुमार एसी (टीएसपीसी) (7) संजीत कुमार उर्फ संजीत गिरि उर्फ संजीत दास उर्फ विक्रांत जी एसी (टीएसपीसी) (8) कृष्णा यादव उर्फ तुफान जी उर्फ सुल्तान जी एसी(टीएसपीसी), 02 लाख का ईनामी (9) दुर्गा सिंह उर्फ पंजरी सिंह एसी(टीएसपीसी) (10) जितेन्द्र सिंह खेरवार उर्फ जितेन्द्र जी उर्फ बजरंगी एसी (टीएसपीसी) (11) मुरली भुईंया उर्फ छोटु जी उर्फ पप्पु जी एसी (टीएसपीसी) की गिरफ्तारी की गई है।

आत्मसमर्पण :- वर्ष-2025 में माह-जून तक 10 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किये हैं, जिसमें मुख्य रूप से आनन्द सिंह उर्फ कल्तु सिंह उर्फ भगवान एसजेडसी (एमओ), जिला-लातेहार, शामिल है, जो दिनांक-03।03।2025 को आत्मसमर्पण किये हैं।

मुठभेड़ :- वर्ष-2025 में माह-जून तक पुलिस-उग्रवादी मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गये, जिसमें मुख्य रूप से (1) विवेक उर्फ प्रयाग मांझी सीसीएम (एमओ)-एक करोड़ इनामी (2) अरबिन्द यादव उर्फ अशोक एसएसी (एमओ) (3) साहेब राम मांझी उर्फ राहुल,जेडसीएम(एमओ) 10 लाख का ईनामी (4) विनय गंझू उर्फ संजु गंझू,जेडसीएम (एमओ) (5) पप्पु लोहरा उर्फ सुर्यदेव लोहराजेडसीएम (जेजेएमपी), 10 लाख का ईनामी (6) मनीष यादव उर्फ मनीष जी एसजेडसी (एमओ), 5 लाख का ईनामी (7) सुदेश गंझू उर्फ प्रभात जी। एसजेडसी(जेजेएमपी), 5 लाख का ईनामी (8) हेमन्ती मझियान, एसी(एमओ) (9) शान्ती देवी एसी (एमओ) एवं (10) राहुल तुरी उर्फ आलोक जी, टीएसपीसी के साथ अन्य सात नक्सली शामिल थे।

2। साईबर अपराध एवं प्रतिबिम्ब ऐप से की गई कार्रवाई : वर्ष-2025 में माह जून तक साईबर अपराध से संबंधित कुल 620 कांड प्रतिवेदित हुए हैं। इन कांडों में कुल 767 अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए कुल नगद 54,35,800 /- रुपए, 1664 सिम कार्ड, 1283 मोबाईल फोन, 135 ए०टी०एम० कार्ड, 20 दुपहिया वाहन, 08 चारपहिया वाहन, 19 लैपटॉप, 37 बैंक पासबुक, 24 बैंक चेकबुक, 03 स्वाईप मशीन एवं 01 राउटर बरामद कर जब्त किये गये।

सांसद ढुल्लू महतो के खिलाफ दायर पीआईएल हाईकोर्ट ने की खारिज,संपत्ति की नहीं होगी जांच

रांची : धनबाद से भाजपा सांसद ढुल्लु महतो को शुक्रवार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ संपत्ति की जांच की मांग को लेकर दाखिल याचिका खारिज कर दी है। प्रार्थी सोमनाथ चटर्जी की ओर से यह जनहित याचिका दायर की गई थी। प्रार्थी सोमनाथ चटर्जी ने अपनी याचिका में कहा है कि ढुल्लू महतो ने चुनाव लड़ते समय संपत्ति की सही जानकारी नहीं दी है। उनके पास कई बेनामी संपत्ति हैं, जिसकी कीमत 675 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इसका उल्लेख उन्होंने अपने शपथपत्र में नहीं किया है। लेकिन हाईकोर्ट ने सोमनाथ चटर्जी की याचिका खारिज कर दी। असली के नाम पर कहीं आप भी तो नहीं खा रहे नकली पनीर?

रांची में पांव पसार रहा डेंगू और चिकनगुनिया, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

रांची: राजधानी रांची में बारिश के मौसम का साइड इफेक्ट दिखने लगा है। जहां-तहां पानी और कचरे का अंबार जमा होने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ाने लगा है। इसके साथ ही अस्पतालों में मच्छर जनित बीमारियों- मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीज भी बढ़ने लगे हैं। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, रांची जिले में चिकगुनिया और डेंगू दोनों का असर है।

बताया गया कि जिले में अब तक डेंगू के 37 और चिकनगुनिया के 12 मरीज मिले हैं। वहीं, ब्रेन मलेरिया-पीएफ के 28 मामले अब तक सामने आ चुके हैं। विभाग के मुताबिक, पूर्वी सिंहभूम, कोडरमा, रामगढ़, देवघर, पलामू, चतरा, सरायकेला में लगातार डेंगू और चिकगुनिया के मरीज मिल रहे हैं। ऐसे में विभाग की ओर से निगरानी बढ़ा दी गयी है। विभाग के अनुसार, मच्छर जनित बीमारियों का प्रकोप राजधानी के हिंदपीढ़ी, कांटाटोली, डोरंडा, कोकर, रातू रोड, मधुकम और पिस्का मोड़ जैसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। वहीं, रिम्स और रांची सदर अस्पताल में एक हफ्ते में करीब पांच से ज्यादा डेंगू के मामले सामने आ चुके हैं। हालत यह है कि दो मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो रहे हैं, तो दो नये मरीज भर्ती हो रहे हैं। यानी औसतन छह डेंगू के मरीज अस्पताल में भर्ती हो रह रहे हैं। वहीं, हर दिन संभावित मरीज डेंगू की जांच करवाने के लिए अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। जिला मलेरिया विभाग की ओर से शहर के वार्ड-01, 02, 18, 20, 21, 22 और 23 में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की टीम रोजाना प्रभावित जलजमाव वाले इलाकों में मलेरिया रोधी दवा का छिड़काव कर रही है। संबंधित इलाकों में जमा पानी में मच्छरों के लार्वा तलाशे जा रहे हैं। साथ ही क्षेत्र में जहां भी मच्छर जनित बीमारियों के संदिग्ध मरीज मिल रहे हैं, वहां ब्लड की सैंपलिंग भी की जा रही है। एक जैसे डेंगू और चिकनगुनिया के लक्षणः विशेषज्ञों के अनुसार, डेंगू और चिकनगुनिया से डरने की की नहीं, मच्छरों से बचाव करने की जरूरत है। दोनों बीमारियां एक ही मच्छर (एडीस) के काटने से होती है। दोनों के लक्षण भी लगभग एक जैसे होते हैं।

रांची में 550 किलो नकली पनीर जब्त, किया गया नष्ट

संवाददाता

रांची: पनीर खाने के शौकिन तकरीबन सभी होते हैं और यह खाने में भी लजीज होता है। कुछ लोग पनीर को हेल्दी होने की वजह से भी खाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि आज-कल बाजार में नकली पनीर भी बिक रहे हैं। जी हां, ऐसा ही मामला झारखंड की राजधानी रांची से आया है जहां पुलिस ने एक ऑटो से नकली पनीर जब्त किया।

ऑटो से नकली 550 किलो पनीर बरामद : मामला जिले के ओरमांझी थानाक्षेत्र स्थित चुटूपालू का है। बताया जा रहा है कि खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने एक ऑटो से नकली पनीर, नकली घी व नकली मक्खन-क्रीम पकड़ा। पुलिस ने ऑटो से नकली 550 केजी पनीर, 20 केजी घी व 20 केजी क्रीम बरामद किया। सूचना मिलने पर रांची जिला के खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुबीर रंजन व सहायक पदाधिकारी शिवनंदन यादव टीम के साथ मौके पर पहुंची। सभी सामग्री का विस्तृत जांच के लिए सैंपल ले लिया गया है। वहीं, पकड़े गए सभी सामग्रियों को डोमा नदी में नष्ट कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने ऑटो गाड़ीखाना रांची निवासी रामनाथ यादव व चालक उत्तम यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस नकली पनीर के व्यापारियों का पता लगा रही है।

ऐसे करें पहचान

1- अगर आप असली और नकली पनीर में पहचान करना चाहते हैं। ऐसे में आपको सबसे पहले पनीर को पानी में उबालना होगा। पानी में पनीर को उबालने के बाद उसको बाहर निकालकर ठंडा होने के लिए छोड़ देना है। इसके बाद पनीर जब ठंडा हो जाए। उस पर सोयाबीन या अरहर का पाउडर डालकर छोड़ देना है। अगर यह करने के बाद पनीर का रंग हल्का लाल होता है। ऐसे में पनीर को डिटर्जेंट या यूरिया की मदद से बनाया गया है।

2- असली पनीर का पता उसकी खुशबू की मदद से भी लगाया जा सकता है। नकली पनीर में किसी भी तरह की कोई खुशबू नहीं आती है। वहीं असली पनीर में दूध जैसी खुशबू आती है।

3- इसके अलावा असली और नकली पनीर के बारे में पहचान उसको उंगलियों से मसल कर भी की जा सकती है। अगर पनीर मसलने के बाद टूटकर गिर रहा है। ऐसे में इस बात की संभावना है कि पनीर नकली है।

बिहार जा रहे ट्रक ने 4 लोगों को मारी टक्कर, तीन ने मौके पर ही तोड़ा दम

कोडरमाः जिले में एक भीषण सड़क हादसा हो गया है जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामला जिले के रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा घाटी स्थित नौवां माइल के पास की है। बताया जा रहा है कि बिहार जा रहे ट्रक के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों सहित 4 लोगों को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई जबकि 1 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। कुमार ने बताया कि इसके बाद ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा जिससे चालक घायल हो गया।

मृतकों की पहचान अकबरपुर (बिहार) निवासी 30 वर्षीय राहुल भुइयां, मेघातरी (कोडरमा) के 13 वर्षीय अमित कुमार और काली मंडा (कोडरमा) के 18 वर्षीय मोहित कुमार के रूप में हुई है।

रांची में 20 को दो बड़ी परीक्षाएं सुबह 7 बजे से निषेधाज्ञा लागू

रांचीः राजधानी रांची में 20 जुलाई को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो बड़ी परीक्षाएं होने वाली हैं। इसके मद्देनजर परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गयी है। जिला प्रशासन ने साफ कहा है कि परीक्षा वाले दिन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी।

सुबह 7 बजे से निषेधाज्ञा लागूः 20 जुलाई को रांची के विभिन्न परिखा केंद्रों पर झारखंड हाईकोर्ट के असिस्टेंट पद के लिए लिखित परीक्षा और यूपीएससी सीएमएस परीक्षा आयोजित है। हाईकोर्ट परीक्षा सुबह 7:30 से दोपहर 3:30 बजे तक और यूपीएससी सीएमएस परीक्षा सुबह 6:30 से शाम 7 बजे तक होगी। इस दौरान आसपास के इलाकों में निषेधाज्ञा लागू की गयी है। इस दौरान कई चीजों पर पाबंदी रहेगी।

मरम्मत कार्य को लेकर आज कई इलाकों में बिजली रहेगी गुल

रांचीः राजधानी रांची के चडरी सब-स्टेशन (सरला बिरला विवि के समीप) में आज शुक्रवार को मरम्मत कार्य किया जाना है। इस कारण इन इलाकों में आज बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली आपूर्ति सुबह 10 बजे से बंद होगी। हालांकि बिजली आपूर्ति केवल तीन घंटे ही बाधित रहेगी। दोपहर 1 बजे बिजली आपूर्ति वापस शुरू कर दी जायेगी।

चडरी सब-स्टेशन में मरम्मत कार्य को लेकर 11 केवी सरला बिरला फीडर व 11 केवी औद्योगिक फीडर के उपभोक्ताओं को आज तीन घंटे बिजली नहीं मिलेगी। तीन घंटे तक गणपति पावर, रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन, पारलिवाल उद्योग, चतरा, जैप-2, हरातू, महिलौंग, फतरु टोली, सड़ला बिड़ला, सेनेटोरियम, सिद्दा टोली, आरा, बराम, एक्स आर्मी कॉलोनी जोरार, पाहन टोली, पतरा टोली, छोटा कव्वाली, होड़हाप, बड़कुंबा सहित संबंधित इलाकों में आपूर्ति बंद रहेगी।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–मो0 तबरेज शेख, उम्र–44 वर्ष, रंग–साँवला, ऊँचाई–06 फीट पहनावा–शर्ट एवं जींस पैंट हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति मो0 तबरेज शेख, पिता–अहमद हुसैन, ग्राम–कुदे थाना–सिकिदिरी, जिला–रॉंची, जो दिनांक–28.06.2025 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में सिकिदिरी थाना सनहा संख्या–09/2025, दिनांक–28.06.2025 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आव यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, रॉंची। – 9431770066
थाना प्रभारी सिकिदिरी, रॉंची। – 9431706184

पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–
वरीय पुलिस अधीक्षक, रॉंची।

PR.NO.357608 Police(25-26):D

कृषि मंत्री ने भूमि संरक्षण और लाह केंद्र का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए कई निर्देश

संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भूमि संरक्षण कार्यालय रांची का औचक निरीक्षण किया। कार्यालय में कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति, कार्य संस्कृति, योजनाओं से संबंधित कार्य प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। भूमि संरक्षण विभाग के अंतर्गत डीप बोरिंग, परकोलेशन टैंक और तालाब के जीर्णोद्धार से संबंधित विधायकों के अनुशंसा पत्र को भी मंत्री ने देखा।

मंत्री ने अधिकारियों को ट्रैक्टर और पंपसेट वितरण की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए सरकारी अनुदान पर लाभुकों को ज्यादा से ज्यादा लाभ देने का निर्देश दिया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विधायकों के द्वारा अनुशंसित योजना का अधिकारियों के स्तर सुस्ती से नाराज दिखी। इस मौके पर उन्होंने विभाग के अधीन संचालित योजनाओं को गति प्रदान करने के लिए समय सीमा का निर्धारण करते हुए टास्क दिया है। विधायकों के द्वारा अनुशंसा पत्र का योजना वार कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। जल्द पूरा हो योजना स्थल निरीक्षण कार्य मंत्रीः औचक निरीक्षण के दौरान मंत्री ने विभाग के जूनियर इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर को अगस्त माह के अंत तक योजना स्थल निरीक्षण का कार्य हर हाल में पूरा कर लेने का आदेश दिया। जिसे सितंबर माह में योजना से संबंधित सूची तैयार कर उपायुक्त के समक्ष अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। मंत्री ने कहा है कि अक्टूबर माह में काम की शुरूआत हो जानी चाहिए। योजना को समय सीमा के अंदर शुरू करने को लेकर भूमि संरक्षण विभाग के द्वारा राज्य भर के सभी जिलों को भी इससे संबंधित निर्देश जारी किया जाएगा।

लाह केंद्र का भी औचक निरीक्षणः कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने नामकुम के सिदरौल स्थित भगवान बिरसा मुंडा लाह मूल्य संवर्द्धन शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां प्रशासनिक भवन के साथ-साथ लाह गोदाम का भी निरीक्षण किया। बता दें कि लाह केंद्र में कच्चा लाह का संग्रहण के साथ-साथ प्रसंस्करण और किसानों को प्रशिक्षण देने का कार्य किया जाता है। औचक निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने संस्थान में लाह प्रशिक्षण के लिए मौजूद उपकरण और संसाधन के रख-रखाव को लेकर बरती जा रही लापरवाही में सुधार लाने का निर्देश दिया। उन्होंने लाह केंद्र में ज्यादा से ज्यादा किसानों को प्रशिक्षित करने की बात कही गई है। जिससे लाह उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण में नई उपलब्धियों को हासिल किया जा सके।

उपायुक्त का कार्यालय, चतरा।
जिला बाल संरक्षण इकाई, चतरा

–: आम सूचना :–

राधा कुमारी

परी

कलावती कुमारी

पिंकी कुमारी

संजु कुमारी

पुजा कुमारी

मीरा कुमारी

गीता कुमारी

मीलन कुमारी

एतद् द्वारा सुचित किया जाता है कि दिनांक–10.06.2025 को बैठक में मा0 जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मौखिक आदेश एवं बाल कल्याण समिति द्वारा निर्गत पत्र का पत्रांक–02/CWC दिनांक–05.07.2025 के आलोक में पलामू बालिका गृह में आवासित मानसिक रूप से अस्वस्थ्य बालिकाओं को जिसे विभागीय (झारखण्ड राज्य बाल संरक्षण संस्था, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड, रॉंची) के आदेश से एवं एक अन्य बालिका जो बाल कल्याण समिति, गढवा के आदेश से बालिका आश्रय गृह, उंटा चतरा में आवासित की गई है।

उपरोक्त बालिकाओं के जैविक माता–पिता अथवा विधिक संरक्षक/रिश्तेदार यदि अपने बालिका को प्राप्त करना चाहते है तो बाल कल्याण समिति चतरा (सिविल कोर्ट के पीछे), या जिला बाल संरक्षण इकाई चतरा विकास भवन के द्वितीय तल्ला स्थित कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

दुरभाष संख्या– 7992497735, 7633942710
प्रकाशन कार्यालय– जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय, विकास भवन द्वितीय तल्ला, चतरा।

निवेदक,
उपायुक्त, चतरा।

PR 357549 (Social Welfare,Women and Child Development) 25-26 (D)

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

लाडली बहनों का बोझ

राज्य के एक मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना सरकार पर ह्यबोझह्ल बन गई है। विधानसभा चुनाव से पहले, मौजूदा हुक्मरानों ने ह्यलाडली बहनह्ल योजना का खूब ढिंढोरा पीटा था। इससे उन्हें चुनावों में राजनीतिक लाभ भी हुआ। हालांकि, उसी समय चेतावनियां दी गई थीं कि यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को बिगाड़ देगी और इसे लागू करते समय सरकार की नाक में दम आ जाएगा। वे हु-ब-हू सच साबित हुईं। जब अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने ये चेतावनियां दी थीं, तब सत्ताधारियों ने उन्हें राज्य के समूचे भगिनी वर्ग का दुश्मन ठहरा दिया था, लेकिन इस योजना के लिए धन का प्रावधान अब खुद सत्ताधारियों के लिए सिरदर्द बन गया है। एक ओर लाडली बहनों को १,५०० रुपए प्रति माह सुनिश्चित करने के लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करना पड़ता है और ऐसा करने के लिए अन्य विभागों से धन में कटौती करनी पड़ती है। यह ह्यकवायदह्ल और ह्यसर्कसह्ल सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही चल रहा है। सत्ता में आने के बाद होश में आए हुक्मरानों ने इस योजना की गहन जांच की। नए नए नियमों और मानदंडों का हौवा खड़ा किया गया। नतीजा यह हुआ कि चुनाव से पहले ह्यलाडलीह्ल रहीं कई बहनें सरकार बनने के बाद अयोग्य घोषित कर दी गईं और भी कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। फिर भी इस योजना के लिए धन जुटाने की सरकार की सिरदर्दी कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है और उस पर पहले दबी आवाज में शिकायत करनेवाले मंत्री अब सार्वजनिक रूप से शिकायतें करने लगे हैं। वे अब सार्वजनिक रूप से सरकारी खजाने पर दबाव का आरोप लगा रहे हैं। यह शिकायत करनेवाले दत्तात्रेय भरणे और उनके सुर में सुर मिलानेवाले भुजबल, दोनों ही उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार के ही गुट से हैं। हालांकि, अजीतदादा ने ह्यहम पूछेंगे और देखेंगेह्ल वाला गोल-मोल बयान दिया है, लेकिन सरकार की पोल खुल गई है। अजीतदादा ने खुद एक बार स्वीकार किया था कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना में गलती हुई है, लेकिन चूंकि यह ह्यगलतीह्ल हर महीने करनी पड़ती है इसलिए राज्य और विभिन्न विभागों का वित्तीय गणित गड़बड़ाने लगा है। हालांकि, यह सच है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना राज्य की बहनों के लिए फायदेमंद रही है, लेकिन यह सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है। राजनेता मंडली चाहे जितना भी इनकार करें, सच यही है। यही सच नाराजगी के रूप में मंत्रियों के मुंह से सार्वजनिक रूप से निकलने लगा है और सरकार के मुंह पर वार कर रही है। लाडली बहनों को हर महीने १,५०० रुपए मिलने चाहिए, उसके लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए अलग से रखे जाने चाहिए और इसलिए उसके लिए कुछ अन्य महकमों के फंड पर वैंछची चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कभी वे सामाजिक न्याय विभाग के फंड को डायवर्ट करते हैं, कभी वारकरी दिंडी के फंड पर वैंछची चलाते हैं, किसान कर्ज माफी को लेकर हाथ खड़े कर देते हैं और फिर एक रुपए में फसल बीमा योजना ही बंद कर देते हैं, ये सब चालें सत्ताधारी दल कर रहा है। इससे मौजूदा सरकार के दिवालिया प्रशासन का वस्त्र हरण हो रहा है। लाडली बहनों को दी जानेवाली सब्सिडी का जुगाड़ सरकार के लिए माथापच्ची बन गया है और इससे दूसरे विभागों को फंड डायवर्ट करना मंत्रियों के लिए सिरदर्द बन गया है। अजीतदादा के समूह से संबंधित मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से इस बारे में बात की है। अजीतदादा भरणे के दर्द के लिए कौन-सी ह्यगोलीह्ल देकर शांत करते हैं यह तो पता चलेगा ही, लेकिन बहनों की ह्यलाडलीह्ल रही यह योजना सरकार के मंत्रियों के लिए गले की हड्डी जरूर बनती जा रही है। उन लोगों के बारे में क्या कहें जो अपनी ही ऐसी स्थिति बना लेते हैं कि पकड़ो तो डस लेते हैं और छूट गए तो भाग जाते हैं, लेकिन इस बात का क्या हल है कि इससे राज्य का वित्तीय अनुशासन प्रभावित हो रहा है?

अब किसे इस्तीफा देना चाहिए

जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकारा कि पहलगाम हमला सरकार की सुरक्षा व्यवस्था में एक चूक थी। पहलगाम हमले को तीन महीने हो चुके हैं। आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए हमले में २६ लोगों ने जान गंवाई। आतंकवादियों ने महिला पर्यटकों पर गोली नहीं चलाई थी। उन्होंने पुरुषों को मारा। उन्होंने धर्म पूछकर मार डाला। कुरान की आयतें सुनाने को कहा। जो नहीं सुना पाए उन्हें गोली मार दी गई, यह कहानी बाद में भाजपा भक्तों द्वारा फैलाई गई। पहलगाम हमले के निमित्त हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पहलगाम हमले के बाद स्थानीय लोगों ने वहां सभी पर्यटकों और घायलों की मदद करने में उदारता दिखाई। उन्होंने हर तरह की मदद की। खुद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आंसुओं का सैलाब फूट पड़ा, लेकिन इतना भयंकर यह सब कैसे हुआ? सरकार अब तक इस पर मुंह सिले बैठी थी। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सिन्हा ने अब हमले के पीछे की सच्चाई उजागर की है, जो यह है कि सरकार की ओर से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था नजरअंदाज हुई। सुरक्षा व्यवस्था में खामियों की वजह से ही आतंकवादी पर्यटनस्थल तक पहुंच पाए और हमला हुआ। राज्यपाल का यह सच चौंकानेवाला है और देश के गृह मंत्रालय की इज्जत चौराहे पर टंग गई। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया इसलिए जम्मू-कश्मीर अब एक केंद्रशासित प्रदेश है जिसकी वजह से इस बेहद संवेदनशील राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार ही, यानी गृह मंत्रालय पर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी सर्वाधिकार राज्यपाल मनोज सिन्हा को दिया गया था। राज्यपाल के जरिए ही गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर राज्य का शासन चलाते हैं इसलिए पहलगाम में हुए हमले और २६ निर्दोष हत्याओं की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह पर ही है। राज्यपाल सिन्हा ने भी यही कहा। गृह मंत्री शाह इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार हैं ही, लेकिन इससे भी गंभीर बात यह है कि गृह मंत्रालय अभी तक हत्या करनेवाले ह्यआरोपियोंह्ल को पकड़ नहीं पाया है। २६ लोगों की हत्या करनेवाले हत्यारे अभी भी ह्यफरारह्ल हैं। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा को अब एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। वे २६ लोगों की हत्या के जिम्मेदार तो हैं ही, और वे हत्या के आरोपियों को भी नहीं पकड़ पाए हैं। इस महान बहादुरी के लिए क्या शाह और सिन्हा की पूजा की जानी चाहिए? या उन्हें वीरता पदक से सम्मानित किया जाना चाहिए? चूंकि राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं स्पष्ट किया है कि पहलगाम हमला एक सुरक्षा चूक थी इसलिए शासकों को प्रायश्चित करना ही होगा और खुले तौर पर गृह मंत्री का इस्तीफा मांगना होगा। यह पूरा मामला गैर इरादतन हत्या का ही मामला है। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीति करनेवालों को इस पर ध्यान देना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह व्यापारिक मानसिकता वाले लापरवाह राजनेता हैं। यह लापरवाही मणिपुर से लेकर कश्मीर तक हर रोज दिखाई देती है। पहलगाम में भी सुरक्षा को लेकर वैसी ही लापरवाही देखने को मिली जैसी २०१९ में पुलवामा हमले में ४० भारतीय जवानों के शहीद होने पर दिखी थी। १४ फरवरी २०१९ को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले में जवान शहीद हुए थे।

युद्ध की लपटों में घिरी दुनिया

युद्ध एक ऐसा सशस्त्र संघर्ष है जो दो या दो से अधिक समूहों के बीच होता है। युद्ध दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है। परन्तु युद्ध कभी भी सिर्फ हाथों में हथियार ले लेने से ही शुरू नहीं हो जाता। युद्ध का जन्म किसी व्यक्ति विशेष के एक विचार से होता है। कई दफा ये विचार संपूर्ण राष्ट्र पर हावी हो जाते है। तो कई दफा जमीन के लालच, आत्म सुरक्षा का भय, तो कई दफा अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी भयंकर युद्धों की वजह बनता है।

डॉ. अंशुल उपाध्याय

वर्तमान में विश्व के कई देशो के मध्य युद्ध का वातावरण व्याप्त है। एक तरफ रूस और यूक्रेन का युद्ध है। दूसरी तरफ ईरान और इजराइल का युद्ध भी सीज फायर के बाद भी चालू है। इसी बीच पाकिस्तान ने भारत के पहलगांव (कश्मीर) पर हमला किया। इसके बाद भारत ने भी हवाई हमले कर पाकिस्तान को जबाव दिया। अब विश्व में जो परिस्थितियों उत्पन्न हो रही हैं,उनके चलते यह कहना बिल्कुल भी अनुचित नहीं होगा कि परमाणु अस्त्रों से संपन्न राष्ट्र अगर इस तरह युद्ध के मैदान में कूदते हैं तो परिणाम भयंकर हो सकते हैं।

युद्ध एक ऐसा सशस्त्र संघर्ष है जो दो या दो से अधिक समूहों के बीच होता है। युद्ध दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है। परन्तु युद्ध कभी भी सिर्फ हाथों में हथियार ले लेने से ही शुरू नहीं हो जाता। युद्ध का जन्म किसी व्यक्ति विशेष के एक विचार से होता है। कई दफा ये विचार संपूर्ण राष्ट्र पर हावी हो जाते है। तो कई दफा जमीन के लालच, आत्म सुरक्षा का भय, तो कई दफा अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी भयंकर युद्धों की वजह बनता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संपूर्ण विश्व वायु सेवा की शक्ति से बखूबी परिचित हो गया था । इसके बाद 1948 में भारत को जब स्वतंत्रता की प्राप्ति हई तो उसके तुरंत बाद ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया और भारत को उसे जवाब देने के साथ ही युद्ध में उतरना पड़ा। इस तरह से पाकिस्तान के साथ भारत ने चार युद्ध लड़े जिसमें पहला 1948 में, दूसरा 1965 में तीसरा 1971 मे और चौथा कारगिल युद्ध जो 1998 में लड़ा गया। इसी के साथ भारत और चीन के बीच भी 1962 में युद्ध लड़ा गया था।

ईरान के अब तक का युद्ध इतिहास खून खराबे से भरा हुआ है। गाजा पट्टी का युद्ध हो या खाड़ी युद्ध, युद्धों ने इन दोनों देशों के मध्य तनाव वृद्धि ही की है। 2024 में इजराइल-ईरान के मध्य का ये शीत युद्ध सीधे संघर्ष में ही बदल गया। और 01 अप्रैल को इजराइल ने दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर बमबारी की, जिसमें कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए। इस हमले के जवाब में, ईरान और उसके प्रतिनिधियों ने 13 अप्रैल को इजराइल के अंदर हमले शुरू कर दिए। ईरान और इजराइल के बीच 1979 से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं और आधुनिक संबंध शत्रुतापूर्ण हैं। शीत युद्ध के अधिकांश समय में ये संबंध सौहार्दपूर्ण थे, लेकिन ईरानी क्रांति के बाद ये और भी खराब हो गए और 1991 में खाड़ी युद्ध की समाप्ति के बाद से ये खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण हो गए हैं। इन्हें ईरान-इजराइल प्रॉक्सी संघर्ष, या ईरान-इजराइल शीत युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। इसके बाद इस्लामी खिलाफत का भी विस्तार हुआ। खलीफा उमर के शासन में इस्लाम का प्रसार और क्षेत्रीय विस्तार लगातार हुआ। इस्लामी एकता और धर्म के नाम पर लड़ाई होती रहीं। कालांतर में फारसी संस्कृति को फॉलो करने वालों ने इस्लाम को आत्मसात करना शुरू कर दिया। इसका लाभ यह हुआ कि फारसी भाषा, साहित्य और प्रशासन को इस्लामी काल में नया जीवन मिला। इस तरह ईरान में शिया इस्लाम का विकास धीरे-धीरे हुआ, जो बाद में इस्लामी दुनिया में विशिष्ट पहचान बना पाया। आज शिया कम्युनिटी पूरी दुनिया में निवास करती है। वर्तमान ईरान और इसके सुप्रीम लीडर खोमेनेई इसी शिया समुदाय के धार्मिक नेता भी हैं। ईरान और इजराइल के बीच प्रॉक्सी संघर्ष चल रहा है। इजराइली-लेबनानी संघर्ष में ईरान ने लेबनानी शिया मिलिशिया का समर्थन किया है, विशेष रूप से हिजबुल्लाह का । इजराइली-फिलिस्तीनी संघर्ष में ईरान ने हमास जैसे फिलिस्तीनी समूहों का समर्थन किया है । 2024 में प्रॉक्सी संघर्ष दोनों देशों के बीच सीधे टकराव में बदल गया। और जून 2025 में, ईरान-इजराइल युद्ध शुरू हुआ, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल के शामिल हो जाने से अंतरिम परिणामों की भयंकरता से संपूर्ण विश्व में अराजकता का माहौल व्याप्त हो गया है।

पूर्व में जब अमेरिका समेत ढेर सारे पश्चिमी देश इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के साथ ईरान के खिलाफ साये की तरह खड़े थे, वही अमेरिका सद्दाम हुसैन को बंकर से निकालकर मारने से पीछे नहीं हटा। आज जी-7 देश ईरान के खिलाफ खड़े हैं, कोई बड़ी बात नहीं कि कल वे किसी और पाले में खड़े हो जाएंगे । क्योंकि भले ही सत्ता बदल जाए। यहां न कोई किसी का स्थाई दोस्त है, न ही दुश्मन। सबके अपने हित हैं। अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार ही सारे देश चालें चल रहते हैं।

अंतरिक्ष में भारत के आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा

उनके साहस ने भारत की आधी आबादी–नारी शक्ति–को यह संदेश दिया है कि अब अंतरिक्ष केवल विज्ञान का विषय नहीं, बल्कि आत्मबल, समानता और नवाचार का प्रतीक बन चुका है। और अब अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 18 दिनों के अंतरिक्ष प्रवास के बाद पृथ्वी पर लौट चुके हैं। वह अपने साथ सिर्फ वैज्ञानिक आंकड़े और बीज के नमूने ही नहीं बल्कि साहस, सपनों और भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं की कहानी भी लेकर आए हैं। भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम कोई दिखावा नहीं, बल्कि जमीनी जरूरतों का समाधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम की सटीक जानकारी, किसानों के लिए फसल पूवार्नुमान, आपदा प्रबंधन, संचार और शिक्षा के लिए सस्ती सेवाएं—ये सब हमारे उपग्रहों की देन हैं।

डॉ.सत्यवान सौरभ

मानव इतिहास की परिधि पर जब भी कोई नया चक्र उभरता है, तो उसमें विज्ञान, कल्पना और आत्मबल की त्रयी सबसे महत्वपूर्ण होती है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा, जो एक समय टिन के डब्बों में साइकिलों पर रॉकेट लेकर चलने से शुरू हुई थी, आज न केवल चंद्रमा और मंगल की मिट्टी तक पहुंच चुकी है, बल्कि मानव संसाधन के नए क्षितिज भी गढ़ रही है। हाल ही में संपन्न हुई भारतीय मूल की गगनयात्री सुनीता विलियम्स की ऐतिहासिक वापसी, न केवल अमेरिका की सफलता है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष स्वप्नों को भी नए पंख दे गई है। उनके साहस ने भारत की आधी आबादी-नारी शक्ति-को यह संदेश दिया है कि अब अंतरिक्ष केवल विज्ञान का विषय नहीं, बल्कि आत्मबल, समानता और नवाचार का प्रतीक बन चुका है। और अब अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 18 दिनों के अंतरिक्ष प्रवास के बाद पृथ्वी पर लौट चुके हैं। वह अपने साथ सिर्फ वैज्ञानिक आंकड़े और बीज के नमूने ही नहीं बल्कि साहस, सपनों और भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं की कहानी भी लेकर आए हैं। भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम कोई दिखावा नहीं, बल्कि जमीनी जरूरतों का समाधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम की सटीक जानकारी, किसानों के लिए फसल पूवार्नुमान, आपदा प्रबंधन, संचार और शिक्षा के लिए सस्ती सेवाएं–ये सब हमारे उपग्रहों की देन हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सफलता सिर्फ रॉकेट प्रक्षेपणों की संख्या में नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, सटीकता और न्यूनतम लागत में छुपी हुई है। यही कारण है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र भी आज अपने उपग्रह प्रक्षेपण के लिए भारत का रुख कर रहे हैं। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और आगामी गगनयान मिशन भारत को उस गुट में खड़ा कर रहे हैं, जहां सिर्फ चंद विकसित देश अब तक मौजूद थे। गगनयान मिशन, जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी यान में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, सिर्फ विज्ञान नहीं बल्कि भारतीय आत्मगौरव की पुनर्प्रतिष्ठा का प्रतीक होगा। इस यात्रा का सबसे रोचक पहलू यह है कि इसमें अब केवल वैज्ञानिक ही नहीं, आम भारतीय युवाओं के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खुल रहे हैं। इसरो, रक्षा अनुसंधान संगठन और निजी क्षेत्र के सहयोग से भारत एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है जहां विज्ञान, नवाचार, रोजगार और उद्यमिता एक साथ फल-फूल सकते हैं। सुनीता विलियम्स, कल्पना चावला, और अब भारत की युवा वैज्ञानिक-ये सब उदाहरण हैं उस शक्ति के जो अंतरिक्ष में भी सीमित नहीं है। आज देश की बेटियां रोवर बना रही हैं, सॉफ्टवेयर कोड लिख रही हैं, रॉकेट डिजाइन कर रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष केंद्रों में महिला वैज्ञानिकों की सक्रिय भागीदारी इस मिथक को तोड़ती है कि विज्ञान केवल पुरुषों का क्षेत्र है। यह केवल लैंगिक समानता की बात नहीं, यह सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण की नींव है। जब एक लड़की अंतरिक्ष में जाती है, तो पूरे समाज का सोचने का तरीका बदलता है। देश के नवोदय विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों, सरकारी स्कूलों, और ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्र-छात्राएं अब स्पेस क्लब का हिस्सा हैं। नन्हे वैज्ञानिक अब मोबाइल एप्लिकेशन से रॉकेट लॉन्च की प्रक्रिया को समझ रहे हैं, और निजी स्टार्टअप्स जैसे अग्निकुल, 'स्काईरूट', और पिक्सेल अंतरिक्ष आधारित स्टार्टअप संस्कृति को जन्म दे रहे हैं। यह परिवर्तन केवल पढ़ाई या परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार सृजन, नवाचार, और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव भी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का सपना अब सिर्फ सपना नहीं, योजनाबद्ध यथार्थ बनता जा रहा है। भारत में 2021 में स्थापित हुए अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या 30 से बढ़कर 2025 में 190 से अधिक हो चुकी है। इस वृद्धि के पीछे न केवल सरकारी नीतियां हैं, बल्कि वह युवा ऊर्जा भी है जो रिस्क लेने को तैयार है। अब भारतीय युवा सिर्फ सरकारी नौकरी की तरफ नहीं देख रहा, वह अब सोचता है कि वह क्यों न खुद एक उपग्रह विकसित करे? क्यों न वह लॉन्च सर्विस उपलब्ध कराए? क्यों न वह अंतरिक्ष कचरे की सफाई पर स्टार्टअप शुरू करे? यह वही नया भारत है, जो न केवल ख्वाब देखता है, बल्कि उन्हें साकार भी करता है। भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल एक अनुसरणकर्ता नहीं, एक पथप्रदर्शक बनता जा रहा है। अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका के कई देश भारत से सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं। भारत के सार्क सैटेलाइट का निर्माण यह दशार्ता है कि वह विज्ञान को केवल राष्ट्रहित में नहीं, विश्वहित में भी प्रयोग करना चाहता है। भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना अब पृथ्वी तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ब्रह्मांड तक विस्तार पा रही है।

हालांकि यह भी आवश्यक है कि अंतरिक्ष विज्ञान के इस उत्साह को तर्क और जिम्मेदारी के साथ देखा जाए। विज्ञान का उपयोग यदि केवल आत्मप्रशंसा या राजनीतिक प्रचार के लिए हो, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक सकता है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल चंद्रमा पर तिरंगा फहराने का उपक्रम नहीं, बल्कि गांव-गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और आपदा राहत पहुंचाने का भी माध्यम है। सच्चा राष्ट्रवाद वही है जो विज्ञान को लोकमंगल से जोड़ता है, न कि केवल मीडिया तमाशा बनाता है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल रॉकेटों की गिनती नहीं है। यह देश की चेतना, आत्मबल, नवाचार, और युवाशक्ति की उड़ान है। जब कोई बच्चा गांव की मिट्टी से उठकर अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने का सपना देखता है, जब कोई युवती कहती है कि वह सुनीता विलियम्स या कल्पना चावला बनना चाहती है, और जब कोई शिक्षक अपने छात्रों को ब्रह्मांड के रहस्यों से अवगत कराता है, तब समझिए कि भारत सचमुच उड़ रहा है। और यह उड़ान, केवल आकाश की ओर नहीं, एक समावेशी, स्वावलंबी और वैज्ञानिक समाज की ओर है। इसलिए, आइए हम विज्ञान को केवल प्रयोगशालाओं में सीमित न करें, उसे घर-घर तक पहुंचाएं। विज्ञान का दीपक केवल रॉकेट नहीं बनाता, वह आशा, समानता और आत्मनिर्भरता की लौ भी जलाता है। अंतरिक्ष में भारत की यह यात्रा यहीं नहीं थमेगी। यह हर उस हृदय की धड़कन बनेगी, जो सोचता है, जो गढ़ता है और जो उड़ना चाहता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऊँ' लगाने से बढ़ जाती है मंत्र की शक्ति,

जब भी पूजा-पाठ के समय किसी भी मंत्र का जाप किया जाता है, तो इसकी शुरूआत 'ऊँ' से की जाती है। योग और ध्यान की विधि में भी 'ऊँ' का उच्चारण किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह एक शब्द क्या है। इसका इतना महत्व क्यों है और मंत्र की शुरूआत में 'ऊँ' लगाने से क्या लाभ मिलता है। अगर आपके मन में इसी तरह के सवाल हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 'ऊँ' के महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं। 'ऊँ' शब्द तीन अक्षर अ, उ और म से मिलकर बना है। यह तीन अक्षर त्रिदेव यानी की ब्रह्मा, विष्णु और महेश को दशार्ते हैं। इसके अलावा यह तीन अक्षर रजो गुण, सतो गुण और तमो गुण का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। अ, उ और म यह तीन अक्षर सत, चित और आनंद है। साथ ही यह ब्रह्मांड की सबसे पहली ध्वनि और सृष्टि के उद्भव का प्रतीक होता है। इसका जाप करने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है और हिंदू धर्म के अलावा बौद्ध व सिख धर्म में भी इसके महत्व को स्वीकार किया गया है।

किसी भी मंत्र के आगे 'ऊँ' जुड़ने से मंत्र शक्तिशाली और शुद्ध हो जाता है। इसको बीज मंत्र भी कहा जाता है। साथ ही यह मंत्र जाप करने के समय किसी भी त्रुटि या दोष को दूर करने में सहायता करता है। इसके साथ ही यह एकाग्रता और ध्यान को बढ़ाने में भी मदद करता है। ऊँ का उच्चारण करने से मानसिक तनाव में कमी आती है।

कहां करना चाहिए उच्चारण

शांत वातावरण में ध्यान मुद्रा में बैठकर 'ऊँ' का जाप करना सही माना जाता है। इससे मानसिक शांति मिलती है और व्यक्ति का ध्यान भी केंद्रित होता है। इस दौरान गहरी सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए ओ से ऊ तक जोर लगाएं। फिर म का उच्चारण करने में ध्वनि धीमी और शांत होती जाएगी। सांसों और आवाज का उतार-चढ़ाव ही मन, आत्मा और बुद्धि को शांति देता है। वेदों की ऋचाएं और श्रुतियां भी इसके बिना अधूरी मानी जाती हैं। किसी भी मंत्र से पहले 'ऊँ' लगा देने से उसके फलित होने की शक्ति कई गुना तक बढ़ जाती है।

उच्चारण के लिए सही समय

बता दें कि 'ऊँ' का उच्चारण करने के लिए सही समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। इस समय ब्रह्मांड की ऊर्जा के साथ आप जल्दी जुड़ जाते हैं, लेकिन अगर आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो सूर्योदय से पहले उठकर इसका उच्चारण करें। आप इसको दिन के किसी भी समय कर सकते हैं।

हालांकि दिन निकलने के साथ शोरगुल और मन में कई तरह की चिंताएं और तनाव हो सकता है। ऐसे में आप इस दौरान गहरे ध्यान में नहीं उतर सकें। रात में शांति होने के बाद भी आप 'ऊँ' का उच्चारण कर सकते हैं।

सेहत

नमक ही नहीं शरीर में पोटैशियम की कमी भी हो सकती है हाई बीपी की वजह

जैसे ही लोग 40 की उम्र पार करते हैं, वैसे ही अधिकतर लोग अपनी थाली से नमक कम कर देते हैं। साथ ही अचार, पापड़ और चिप्स जैसी चीजों से दूरी बना लेते हैं। लेकिन इसके बाद भी उनका ब्लड प्रेशर कंट्रोल नहीं होता है। क्योंकि हमारी थाली में सिर्फ नमक ज्यादा नहीं है, बल्कि पोटैशियम बहुत कम है। इस कारण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने की जो कहानी है, वह अधूरी रह जाती है। हालांकि इसको करना मुश्किल नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पोटैशियम की सही डोज क्या है और इसको किस तरह से डाइट में शामिल करना चाहिए।पोटैशियम न सिर्फ एक्स्ट्रा नमक को यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है। लेकिन यह आर्टरी की मांसपेशियों को भी शांत करता है। रिसर्च के मुताबिक अगर डेली पोटैशियम 3.5 ग्राम से ज्यादा हो जाए, तो सिस्टोलिक बीपी में 4-6`ऱ्ॅ तक की गिरावट आ सकती है। यह उतना ही होता है, जितना शुरूआती बीपी दवाओं से होता है। रोजाना सुबह 200' नारियल पानी या फिर 1 केला का सेवन करें। इन दोनों में ही 400 पोटैशियम होता है। नाश्ते में आप अंकुरित मूंग चाट खा सकते हैं। इसमें करीब 650 पोटैशियम और सिर्फ 400 सोडियम होता है। वहीं दोपहर के खाने में आप ऐसी सब्जियों को शामिल करें, जोकि पोटैशियम से भरपूर हों। शाम को स्नैक्स में आप चिप्स, पापड़ या भुजिया की जगह एक मुट्ठी बिना नमक वाली मूंगफली या उबले चने खा सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

विधायक के प्रयास से लगा एक सौ केवीए का नया ट्रांसफार्मर

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी सरफ राजगंज पंचायत अंतर्गत बंगालीपाड़ा में स्थानीय विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा के प्रयास से एक सौ केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। ट्रांसफार्मर का उद्घाटन झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बबुआ,संजय मंडल,काजू मल्लिक,अभीभूषण दास ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर एवं फीता काट कर किया। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बबुआ ने बताया कि ग्रामीणों ने लंबे समय से ट्रांसफार्मर की मांग की जा रही थी। इस पर विधायक ने संज्ञान में लेते हुए एक सौ केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। ट्रांसफार्मर लगने से ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। मौके मुखिया सीता पहाड़िन सुजीत मंडल,राजीव मंडल,मानव मंडल, टूनु मंडल अंकित मंडल,केशव दास सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

एचपी गैस गोदाम में लोगों को आपात कालीन स्थितियों से निपटने का दिया प्रशिक्षण

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड अंतर्गत उत्तरी सरफराज गंज पंचायत स्थित उद्धव मुनि एचपी गैस गोदाम में गुरुवार को अग्निशमन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस जागरूकता अभियान में लोगों को आपात कालीन स्थिति में निपटने का प्रशिक्षण दिया गाया। जागरूकता अभियान का नेतृत्व सुमन कुमार चौहान, मो सजलीम और रविरंजन कुमार ने किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को आग के विभिन्न कारणों उनसे बचाव के सरल और प्रभावी उपायों और विशेष रूप से अग्निशामक यंत्रों के सही और सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। जिसमें लोगों को दिखाया गया कि गैस से लगने वाली आग जैसी विशेष स्थितियों को नियंत्रित करने के लिए अग्निशामक यंत्रों का किस प्रकार सही ढंग से संचालन किया जाता है। सुमन कुमार चौहान और उनकी टीम ने लोगों को अग्निशामक यंत्र को उठाने, उसकी सुरक्षा पिन निकालने, नोजल को आग की जड़ पर सटीक रूप से लक्षित करने और फिर लीवर को दबाने की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने घरों और कार्यस्थलों पर अग्निशामक यंत्र अनिवार्य रूप से रखें। साथ ही, उन्होंने इन यंत्रों के नियमित रखरखाव और उनके संचालन के तरीकों के बारे में स्वयं को जागरूक रखने की सलाह दी।

90 वर्षीय बुजुर्ग का नही हुआ पेंशन सत्यापन मुखिया प्रतिनिधि ने उठाया व्यवस्था पर सवाल

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड की ग्राम पंचायत अमानत दियारा सचिवालय में गुरुवार को पेंशन सत्यापन के लिए आए एक 90 वर्षीय बुजुर्ग को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इतनी अधिक उम्र होने के बावजूद बुजुर्ग स्वयं चलकर पंचायत भवन पहुँचे, लेकिन दुर्भाग्यवश, उनका आयरिश स्कैन नहीं हो सका। जिसके कारण उनका पेंशन सत्यापन अधूरा रह गया।इस पर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अब्दुल कादिर ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा इतनी उम्र में जब एक बुजुर्ग खुद चलकर अपने हक के लिए आता है और सिस्टम की कमी के कारण उसे खाली हाथ लौटना पड़ता है। मुखिया प्रतिनिधि ने सवाल उठाया कि क्या हमारे सिस्टम में ऐसे वृद्ध नागरिकों के लिए कोई सरल और संवेदनशील समाधान नहीं है, जो तकनीक से जुड़ी चुनौतियों का सामना करते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनकी प्रमुख मांग है कि सभी पंचायतों में आयरिश स्कैनिंग की समुचित और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी बुजुर्ग केवल तकनीकी कमी के कारण अपने पेंशन जैसे महत्वपूर्ण अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने आगे कहा कि हम सम्मान के साथ सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और सुनिश्चित करेंगे कि हमारे बुजुर्गों को उनका हक आसानी से मिले।

91300 श्रद्धालुओं ने किया बाबा पर जलाभिषेक

बासुकीनाथ : श्रावणी मेला के सातवें दिन शाम 7 बजे तक 91300 श्रद्धालुओं ने बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण किया।सामान्य रुट लाइन से 81855 ,शीघ्र दर्शनम से 3625 एवं जलार्पण काउंटर से 5820 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। साथ ही शीघ्र दर्शनम से 10,87,500 रुपये, गोलक से 81350 रुपए एवं अन्य स्रोत से 40966 रुपए प्राप्त हुए।गोलक से 180 ग्राम चांदी प्राप्त हुए।

विधायक ने अधिकारियों को दिए सतर्कता और राहत कार्य तेज करने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गुमानी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है।जिससे बरहरवा प्रखंड के कई गाँवों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है।हालात की गंभीरता को देखते हुए विधायक निसात आलम के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि एवं जिला अध्यक्ष बरकत खान ने नकसीमल जुहिबोना धरमपुर, बिरनाथपुर,महाराजपुर सहित अन्य बाढ़ प्रभावित गाँवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

प्रभावित गाँवों में फैली चिंता

गुमानी नदी के जलस्तर में वृद्धि के चलते पुरुलिया डांगा, चांदपुर, जमालपुर, अंधारकोठा हरिहारा चाकपाड़ा, महेशघाटी, दरियापुर, कांकजोल, बिंदुपाड़ा और अबराटोला सहित कई गाँव प्रभावित हो चुके हैं।खेतों में पानी भर जाने से खरीफ फसलों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।बरकत खान ने दौरे के दौरान ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं।उन्होंने बरहेट बैराज खेरवा डैम का भी निरीक्षण किया और पाया कि सभी फाटक खुला होने के कारण पानी का प्रवाह बढ़ रहा है।उन्होंने जल संसाधन विभाग के एसडीओ एवं जेई.से वातार्लाप कर बैराज के फाटक को नियंत्रित रूप से संचालित करने को कहा गया।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बरकत खान ने संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

दिए।उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासनिक तैयारी पूर्ण होनी चाहिए। ग्रामीणों की सुरक्षा,अस्थायी शरणस्थलों की व्यवस्था व आवश्यक राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने की अपील की गई है।स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड में बरकत खान के दौरे के बाद स्थानीय प्रशासन भी सतर्क हो गया है। और जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति का आंकलन कर रहे हैं और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में लोगों को सतर्क किया जा रहा है।विधायक प्रतिनिधि ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि संकट की इस घड़ी में सरकार और प्रशासन उनके साथ है। और हर संभव मदद दी जाएगी।ग्रामीणों ने भी राहत कार्यों को लेकर अपेक्षा जताई और प्रशासन से शीघ्र सहायता की मांग की।मौके पर जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,सफातुल्लाह, दिलादार,सकील,नेहाल अख्तर,सहित ग्रामीण मौजूद थे।

किसी भी परिस्थिति में भी एचएसएनडी सत्र में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान द्वारा महादेवगंज के मुस्लिम टोला आंगनबाड़ी में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता व पोषण दिवस सत्र का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि एएनएम निर्धारित समय से पहले नियमित टीकाकरण सत्र से 3 बजे से पहले ही आंगनबाड़ी केंद्र से अनुपस्थित पाई गईं। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए सिविल सर्जन द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सदर प्रखंड और संबंधित ए.एन.एम को एक स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया गया।साथ ही उक्त दिवस का संबंधित ए.एन.एम के वेतन पर रोक लगाने का आदेश

भी दिया गया।इसके पश्चात सिविल सर्जन डॉ. पासवान द्वारा सभी एएनएम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने-अपने सत्र स्थल पर किये गये टीकाकरण के बारे में जानकारी ली जिसमें उन्होंने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक योग्य बच्चे और गर्भवती महिला का शतप्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। किसी भी परिस्थिति में भी एचएसएनडी सत्र में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मचारी समय पर उपस्थित होकर कार्य का निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे।

जलीय जीवों का संरक्षण पारिस्थितिक संतुलन और आजीविका दोनों के लिए जरूरी है : आशीष

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : गंगा नदी की जैवविविधता संरक्षण के लिए गुरुवार को प्रखंड के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत सचिवालय में मछुआरा समुदाय के लिए एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित हुई। यह कार्यक्रम भारतीय वन्यजीव संस्थान और वन विभागसाहिबगंज के सहयोग से हुआ। इस कार्यशाला में जिला गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी अमित मिश्रा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के जिला प्रबंधक आशीष कुमार, पंचायत सचिव नकुल और भारतीय वन्यजीव संस्थान के परियोजना एसोसिएट मुकेश देवराड़ी शामिल हुए। इनके साथ गंगा प्रहरी, डॉल्फिन वॉचर और लगभग 150 स्थानीय मछुआरे व सदस्य भी मौजूद थे। कार्यक्रम में पर्यावरण और वैज्ञानिक पहलुओं पर जानकारी दी

गई।इस दौरान अधिकारियों ने अपनी योजनाओं और गंगा नदी की पारिस्थितिकी पर बात की और मछुआरों से कहा कि जिम्मेदार तरीके से मछली पकड़ें। बताया गया कि मछलियों, डॉल्फिन और अन्य जलीय जीवों का संरक्षण पारिस्थितिक संतुलन और समुदाय की आजीविका दोनों के लिए जरूरी है। विशेषज्ञों ने अवैध शिकार, जल प्रदूषण और जैवविविधता को होने वाले नुकसान के बारे में बताया। उन्होंने वैज्ञानिक मत्स्य पालन के तरीके भी सुझाए। मछुआरों से छोटे जाल का उपयोग न करने और मछलियों के प्रजनन काल में शिकार से बचने का आग्रह किया गया। मौके पर डॉल्फिन वाचर अजीजूर रहमान,आजाद अली, जोसिम शेख, मुजाक शेख, अब्दुल शेख,अली शेख व सैदूल शेख आदि मौजूद थे।

साहिबगंज महाविद्यालय में इग्नू की सत्रांत परीक्षा सम्पन्न

साहिबगंज : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू की जून 2025 सत्रांत परीक्षा का सफल आयोजन साहिबगंज महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ। परीक्षा दो पाली में आयोजित की गई, जिसका निरीक्षण इग्नू अध्ययन केंद्र कोड-3605 के केंद्राधीक्षक डॉ.ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने किया।डॉ.सिंह ने बताया कि प्रथम पाली में चार विषयों की परीक्षा हुई,जिसमें कुल 35 परीक्षार्थियों में से 32 उपस्थित और 3 अनुपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय पाली में कुल 16 परीक्षार्थियों में से 13 उपस्थित और 3 अनुपस्थित पाए गए।उन्होंने बताया कि इग्नू में जुलाई 2025 सत्र के लिए विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमो मे बीए, बीएससी बीकॉम बीसीए मास्टर्स, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स में नव नामांकन की प्रक्रिया चल रही है।

जनता दरबार में डीसी ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

संवाददाता

देवघर : जिलावासियों के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, सेविका की नियुक्ति, स्कूलों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति से जुड़े मामलों को उपायुक्त के समक्ष रखा। साथ ही उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त श्री लकड़ा ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।इस दौरान उपरोक्त के अलावे कार्यपालक दण्डाधिकारी ओम प्रियदर्शी एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

आदर्श आचार संहिता के मामले में श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव हुए बरी

दुमका : आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक 11 साल पुराने मामले में दुमका के एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायधीश एसडीजेएम मोहित चौधरी ने गुरुवार को सभी आरोपियों को साक्ष्य के आभाव में बरी करने का फैसला सुनाया। श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव सहित तीन लोगों के खिलाफ चले मामले में 17 जुलाई को एमपी एमएलए विशेष न्यायाधीश के न्यायालय में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता धर्मेन्द्र नारायण प्रसाद मौजूद थे।

मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि यह फैसला न सिर्फ मेरे व्यक्तिगत जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उन तमाम लोगों के लिए भी एक प्रेरणा है जो लोकतंत्र, न्याय और संविधान में अटूट आस्था रखते हैं। उन्हें कहा प्रारंभ से ही न्यायपालिका पर विश्वास रखता आया हूँ और आज उनका सम्मान और बढ़ गया है। यह रिहाई उनके राजनीतिक जीवन को और ऊर्जा देगी, जनसेवा की भावना को और दृढ़ बनाएगी। उन्होंने अपने अधिवक्ताओं का और सभी शुभचिंतकों का हृदय से आभार प्रकट किया। यह मामला गोड्डा जिला के पथरगामा थाना में 09 दिसम्बर 2014 में विधानसभा चुनाव के दौरान दर्ज किया गया था। गोड्डा के पथरगामा थाना में तत्कालीन बीडीओ पायल राज के लिखित आवेदन पर कांड संख्या 144/2014 के तहत दर्ज करवाया था। यह मामला रिप्रेजेंटेटिव ऑफ पीपुल एक्ट की धारा 123, 133 और डिफेमेशन ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट की धारा 3 के तहत दर्ज किया गया था। इसमें राजद प्रत्याशी संजय प्रसाद यादव, भाजपा प्रत्याशी रघुनंदन मंडल, जेवीएम प्रत्याशी संजीव आनंद एवं झामुमों प्रत्याशी राजेश साह के खिलाफ सरकारी जगह पर कार्यालय खोलने एवं पार्टी कार्यालय एवं झंडा-पोस्टर लगाने का आरोप है। आरोपियों में से भाजपा प्रत्याशी रघुनंदन मंडल का निधन हो चुका है। अब इस केस में तीन ही आरोपी बचे थे।

गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के प्रयास से गया और लखनाऊ के लिए एक और ट्रेन : अमित सिंह

संवाददाता

साहिबगंज : भाजपा नेता अमित सिंह ने दिल्ली से दूरभाष पर बताया कि गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने पिछले दुगार्पूजा और झारखंड विधानसभा के समय किया गया अपना वादा निभाया डॉ निशिकांत दुबे के प्रयास से मालदा से गोमतीनगर भाया साहिबगंज भागलपुर गया होते हुए एक साप्ताहिक ट्रेन चलेगी।गया के लिए एक और ट्रेन और लखनउ के लिए एक नया गाड़ी मिला।साहिबगंज आज रात में पहुंचेगी। भागलपुर से हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस या वन्दे भारत भाया साहिबगंज भी जल्द चलेगी।उन्होंने बताया की तीनपहाड़ में भी कुछ ट्रेनों का ठहराव भी जल्द होगा जिसमें राजमहल अनुमंडल मुख्यालय को लाभ मिलेगा।एक-दो और ट्रेनों का परिचालन साहिबगंज से होगा।अमित सिंह ने कहा कि साहिबगंज का रेल का गौरव फिर से आएगा गोड्डा लोकसभा के सांसद डॉ निशिकांत दुबे के प्रयास और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह संभव हो सका है।

एनडीआरएफ की टीम को शिवगंगा के साथ बाबा मंदिर प्रांगण में करे प्रतिनियुक्त

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के गतिविधियों, आपदा प्रबंधन, विधि व्यवस्था एवं सफल संचालन को लेकर की गयी तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त वरीय दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी को सक्रिय होकर कार्य करने का निर्देश दिया। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के निदेर्शानुसार मेला में सुरक्षा, स्वच्छता एवं विन्रमता को श्रावणी मेला मेले की मूल संवेदना बनाये, ताकि देवतुल्य श्रद्धालु बाबा की नगरी देवघर से एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर अपने गंतव्य की ओर

रवाना हो सके। सबसे महत्वपूर्ण श्रावणी मेला के दौरान आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए मेला के दौरान किसी भी स्थिति में दंडाधिकारियों को अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान शालिनता का परिचय दें। आगे उपायुक्त ने मेला क्षेत्र में विधि व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, अपराध नियंत्रण के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को लेकर अस्थायी ओपी व ट्रैफिक ओपी में प्रतिनियुत दण्डाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों को 24७७ एक्टिव मोड में कार्य करने का निर्देश दिया है। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि मेला क्षेत्र में आपदा प्रबंधन एक महत्वपूर्ण पहलू है, भीड़भाड़, आग लगने, भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन मार्गों की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, और संचार प्रणाली पर को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक में नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर, अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर, सिविल सर्जन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपी, हेडक्वार्टर डीएसपी, जिला नजारत उपसमाहर्ता, गोपनीय प्रभारी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, जिला अग्निशमन पदाधिकारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता आरसीडी, मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, एनडीआरएफ की टीम आदि उपस्थि थे।

मोहित सूरी ने किया खुलासा...

छह साल की उम्र से ही स्टार बनना चाहती थीं आलिया भट्ट

मोहित सूरी, जो आशिकी 2, कलयुग और एक विलेन जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी चचेरी बहन और अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में बताया। उन्होंने आलिया के बचपन की कुछ दिलचस्प यादें साझा कीं।

एक खबर के अनुसार, मोहित ने बताया कि आलिया छह साल की उम्र से ही अभिनेत्री बनना चाहती थीं और बहुत कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा दिखने लगी थी। उन्हें फिल्में, संगीत और अभिनय से बहुत प्यार था। मोहित ने 2005 की एक घटना का जिक्र किया, जब उनकी फिल्म जहर का एक रीमिक्स म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ था। उस समय आलिया ने ही अपने पिता महेश भट्ट को समझाया था कि यह युवाओं को बहुत पसंद आएगा। मोहित ने आलिया को सुपर कमर्शियल बताया, जो हमेशा से जानती थीं कि दर्शकों को क्या पसंद आएगा। मोहित ने एक पारिवारिक डिनर की याद भी साझा की, जब आलिया 8-9 साल की थीं। मोहित ने उनकी तस्वीर लेने की कोशिश की, तो आलिया ने तुरंत अपनी डिंपल वाली साइड दिखाई और कहा कि वह सही साइड से फोटो ले रहे हैं। मोहित ने कहा कि आलिया को हमेशा से पता था कि वह एक स्टार बनेंगी। मोहित अब अपनी नई फिल्म सैयारा के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसमें नए कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा नजर आएंगे।

आर. माधवन ने जब भी निभाया

रोमांटिक किरदार वो बन गया एक कल्ट क्लासिक

ऐसा बहुत कम होता है जब पर्दे पर दिखाया गया प्यार इतना सच्चा लगता है कि वो असली जज़्बातों की झलक देने लगे। और फिर आता है आर. माधवन इफ़ेक्ट – चाहे वो अलाईपायुथे हो या आप जैसा कोई, जब वह रोमांस चुनते हैं, तो वो कहानी कुछ ख़ास बन जाती है। नज़ाकत से निभाए गए किरदार, सह-कलाकारों के साथ तालमेल और भाषाओं की सीमाओं से परे जाकर दर्शकों से जुड़ाव, यह पैन इंडिया पावरहाउस कभी निराश नहीं करते, और वह सिर्फ़ रोमांटिक हीरो की भूमिका ही नहीं निभाते, बल्कि वो एक वजह बनते हैं जिसकी वजह से हम प्यार पर फिर से यक़ीन करने लगते हैं। चाहे लवरबॉय का चार्म हो या हालिया वर्षों की भावनात्मक गहराई से निभाया चलते, बल्कि दिल के अलग-अलग पड़ाव दिखाते हैं। रहना है तेरे दिल में में उन्होंने हमें मैडी का किरदार दिया, जो बेबाक था मगर अंदर से नाज़ुक था, एक ऐसा प्रेमी जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की कोशिश करता है और दर्शकों को अपने पक्ष में कर लिया। अलाईपायुथे में वे कार्तिक बने, एक युवा जो प्यार में डूबा हुआ, और शादी के असली मतलब से अभिभूत। मिन्नाले में, उन्होंने एक अधूरा पर सच्चे प्रेमी की भूमिका निभाई–एक ऐसा इंसान जो सच को मोड़ता है, लेकिन अपनी भावनाओं को नहीं। और फिर तनु वेड्स मनु आई, जहाँ उन्होंने दिखाया कि प्यार मौन भी हो सकता है, सम्मानजनक और दिल तोड़ने वाला सच्चा भी हो सकता है। मनु के रूप में, वह ज़ोर-शोर से नहीं बोलते थे,

राजकुमार राव की फिल्म मालिक को मिला करीना का सपोर्ट, शेयर किया वीडियो

अभिनेत्री करीना कपूर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म मालिक की रिलीज से पहले शुभकामनाएं भेजीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर राजकुमार राव की फिल्म मालिक के ट्रेलर का वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, पूरी टीम को शुभकामनाएं। कमाल कर दिया दोस्तों, ढेर सारा प्यार, कल सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखें। राजकुमार राव की एक्शन थ्रिलर मालिक का फर्स्ट लुक उनके जन्मदिन पर जारी किया गया था। फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पुलकित द्वारा निर्देशित फिल्म मालिक का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले और जय शेवक्रमणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया है। दिलचस्प बात यह है कि स्त्री अभिनेता ने अपने किरदार के लिए एक जबरदस्त शारीरिक बदलाव किया। उन्होंने 80 दिन से ज्यादा समय तक दाढ़ी बढ़ाई ताकि उनका लुक स्क्रीन पर दमदार लगे। फिल्म के निर्देशक पुलकित ने बताया कि उन्होंने ऐसा इसलिए करवाया क्योंकि वह चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक दमदार और ताकतवर अहसास नजर आए।

इस तरह का लुक फिल्म में उनके किरदार को असरदार और वास्तविक बनाएगा। पुलकित ने कहा, हम चाहते थे कि राजकुमार राव के किरदार में एक ऐसी ताकत दिखे जो अंदर से आए, कुछ ऐसा जो सच्चा, थोड़ा रफ और बिना बनावट के लगे। राजकुमार ने इस किरदार के लिए खुद को शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह से झोंक दिया। उन्होंने करीब तीन महीने तक दाढ़ी बढ़ाई, ताकि उनका किरदार वास्तविक लगे। कुछ दिन पहले फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया था, जिसमें अभिनेता पहली बार गैंगस्टर का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर लगभग 2 मिनट 45 सेकंड का है। कहानी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

यार को ज्यादा गंभीरता से लें, तो यह 'मुश्किल' हो जाता है: शब्बीर अहलूवालिया

शब्बीर ने यार के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर इसे बहुत गंभीरता से लिया जाए, तो यह मुश्किल हो सकता है। सीरियल 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' के संदर्भ में शब्बीर ने कहा, प्यार तभी मुश्किल लगता है, जब आप इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं या उससे बहुत ज्यादा उम्मीदें रखते हैं। प्यार तो अपने आप खिलता है। अगर आप इसे स्वाभाविक रूप से होने दें, तो यह बहुत खूबसूरत है। शब्बीर ने शो में अपने किरदार युग और उसकी ऑन-स्क्रीन प्रेमिका कैरी के प्यार पर बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, कैरी के लिए प्यार ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन युग को प्यार करना? ओह, अगर मैं कैरी होता, तो शायद ऐसा नहीं करता! शब्बीर ने साल 1999 में 'हिप हिप हुर्रे' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'क्या हादसा क्या हकीकत', 'कहीं तो मिलेंगे', 'काव्यांजलि', 'कसम से', 'कसौटी जिंदगी की', 'लागी तुझसे लगन' और 'कयामत' जैसे सीरियलों में उनके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता। उनके किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। जब शब्बीर से पूछा गया कि क्या सोनी सब के 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में उनका किरदार युग भी पुराने अन्य किरदारों की तरह जादू चला पाएगा, इस पर शब्बीर ने कहा, मुझे उम्मीद है। युग एक ऐसा किरदार है जो आम नहीं है। वह जिंदगी के प्रति नकारात्मक और ज्यादा खुला हुआ नहीं है।

13 वर्षों का लंबा संघर्ष, 'क्रिमिनल जस्टिस 4' में पंकज त्रिपाठी की पत्नी बन छाई खुशबू

क्रिमिनल जस्टिस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सबसे चर्चित वेब सीरीज है। इस सारीज का चौथा सीजन भी रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इस सीजन में अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने मुख्य भूमिका निभाई है, जो माधव मिश्रा के किरदार में नजर आए हैं। इसके अलावा सीरीज में उनकी पत्नी की भूमिका खुशबू अत्रे ने निभाई है, जो रत्ना मिश्रा के रूप में नजर आई हैं। अपनी शानदार एक्टिंग से एक्ट्रेस ने सबके दिलों में एक खास जगह बनाई है और अब हर कोई उन्हें करीब से जानना चाह रहा है। चलिए जानते हैं कि कौन हैं खुशबू अत्रे।

कौन हैं खुशबू अत्रे?

क्रिमिनल जस्टिस 4 सीरीज में खुशबू अत्रे एडवोकेट माधव मिश्रा (पंकज त्रिपाठी) की पत्नी रत्ना मिश्रा का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री मध्यप्रदेश के भरवाहा की रहने वाली हैं। शुरुआत में खुशबू अत्रे ने कई नाटक किए, जहां उनके अभिनय को धार मिली। इसके बाद उन्होंने अपने करियर की आधिकारिक शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। साल 2012 में अभिनेत्री ने टीवी के पॉपुलर शो पवित्र रिश्ता से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने कई टीवी

सीरीयल्स में काम किए, जैसे- उड़ान, साथ निभाना साथिया आदि।

ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है

सोन ऑफ सरदार 2 को लेकर कूब्रा सैत के लिए एक खास पल

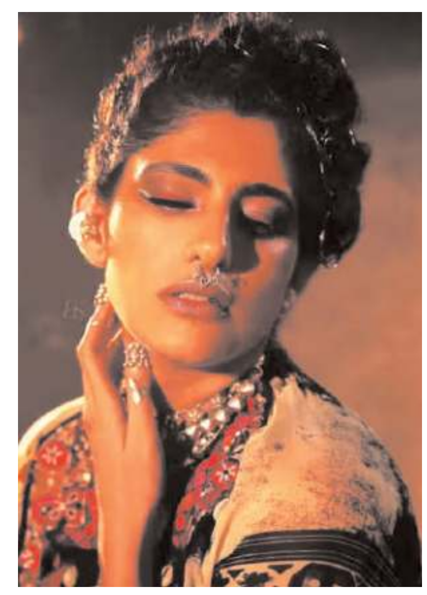

कूब्रा सैत के लिए सोन ऑफ सरदार 2 का ट्रेलर लॉन्च सिर्फ एक और ग्लैमरस इवेंट नहीं था, बल्कि उनके करियर का एक बेहद खास और पर्सनल माइलस्टोन था। दमदार परफॉर्मेंस और बेबाक किरदारों से अपनी अलग पहचान बना चुकीं कूब्रा पहली बार किसी बड़ी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का हिस्सा बनीं। इस पल को लेकर उन्होंने कहा- ये मेरे लिए वाकई बहुत खास है। ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है और इतनी बड़ी फिल्म और शानदार टीम का हिस्सा बनना किसी सपने से कम नहीं है। फिल्म में मेहविश का किरदार निभा रहीं कूब्रा इवेंट में ढोल की बीट्स पर डांस करते हुए एंट्री करती दिखीं–जिससे फिल्म की एनर्जी साफ झलक रही थी। वह अपने बोल्ड लेकिन ग्रेसफुल लुक में काफी खूबसूरत नजर आईं और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ यह पल जिया। फ्रेंचाइज़ी की यादों को ताज़ा करते हुए उन्होंने कहा- सोन ऑफ सरदार को रिलीज़ हुए 12 साल हो गए हैं। मैंने भी इसे बाकी लोगों की तरह सिनेमाघर में देखा था। उस वक़्त जो दीवानगी थी, वो अलग ही लेवल की थी। अब जब मैं इसके दूसरे भाग का हिस्सा हूं, तो ये मेरे लिए एक पूरा सर्कल पूरा होने जैसा है।

नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट कहलाने से परहेज नहीं

भोजपुरी एक्टर रवि किशन यूं तो तीन बेटियों और एक बेटे यानी 4 बच्चों के पिता हैं, लेकिन यहां बात करने जा रहे हैं उनकी बेटी रीवा के बारे में। भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन की बेटी रीवा किशन रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं और उन्होंने भी अपने पिता के नक्शे कदम पर आगे बढ़ते हुए फिल्मों में कदम बढ़ाने का फैसला लिया था। रवि किशन की बेटी रीवा ग्लैमर के मामले में किसी स्टार किड्स से कम नहीं। कई बार तो हॉलीवुड एक्ट्रेस को भी टक्कर देती हैं। रीवा सोशल पर काफी एक्टिव हैं। रीवा ने पिता और फिल्मों से प्रेरित होकर पहले ही एक्टिंग की दुनिया में आगे आने का फैसला ले लिया था। इसके लिए तैयारी भी शुरू की और नसीरुद्दीन शाह के एक्टिंग ड्रामा ग्रुप से एक साल की ट्रेनिंग ली।

सब कुश मंगल से डेब्यू

रीवा ने साल 2020 में सब कुश मंगल फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अक्षय खन्ना के साथ रीवा के ऑपोजिट पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी नहीं। हालांकि इसके बाद रीवा किसी फिल्म में नहीं दिखीं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उस

फिडे महिला वर्ल्ड कप: प्री-क्वार्टरफाइनल में चारों भारतीय खिलाड़ी टाईब्रेक में पहुंचीं

नई दिल्ली : फिडे महिला विश्व कप के प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में भारत की चारों महिला शतरंज खिलाड़ी -दिव्या देशमुख, आर. वैषाली, कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली झ अपने-अपने मुकाबले टाईब्रेक में खेलने को मजबूर हो गई हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की झू जिनर ने गुरुवार को दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी करते हुए दिव्या देशमुख को मात दी और मुकाबला टाईब्रेक में पहुंचा दिया। दिव्या ने बुधवार को सफेद मोहरों से खेलते हुए झू के खिलाफ शानदार जीत हासिल की थी और उन्हें क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत थी। लेकिन ब्लैक मोहरों से खेलते हुए एक अनौपचारिक स्कॉच ओपनिंग में मिडिल गेम के दौरान उनकी स्थिति बिगड़ गई और फिर एंडगेम में वापसी करना उनके लिए असंभव हो गया। वहीं, आर. वैषाली ने कजाकिस्तान की मेरुर्ट कामालिदेनोवा के खिलाफ एक और ड्रॉ खेला। उन्होंने भी ब्लैक मोहरों से खेलते हुए

मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। अनुभवी कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली ने क्रमशः स्विट्जरलैंड की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक और रूस की कैटेरीना लगनो के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलते हुए ड्रॉ किया। इस बीच, चीन की तीन खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गईं। लेई टिंगजी ने उज्बेकिस्तान की उमिदा ओमोनोवा के खिलाफ आसानी से ड्रॉ किया, सॉन्ग यूसिन ने जॉर्जिया की लेला जावाखिशविली से भी ड्रॉ किया, जबकि तान झोंगयी ने यूलिया ऑस्मक को हराकर दूसरे गेम में आराम से ड्रॉ कर मुकाबला अपने नाम किया। दिन की सबसे बड़ी उलटफेर स्थानीय खिलाड़ी नाना डजागनिडजे ने की, जिन्होंने यूक्रेन की मारिया मुझचुक को हराकर उन्हें टूनार्मेंट से बाहर कर दिया। गौरतलब है कि इस विश्व कप के जरिए तीन खिलाड़ियों को 2026 की पहली छमाही में होने वाली फिडे महिला कैंडिडेट्स टूनार्मेंट में प्रवेश मिलेगा। चारों भारतीय खिलाड़ी आज शाम भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे से टाईब्रेक खेलेंगी।

डिओगो जोटा को वुल्व्स हॉल ऑफ फेम में किया गया शामिल

एजेंसी

लंदन : वुल्व्स फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी डिओगो जोटा को अपने हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने की घोषणा की। यह सम्मान उन्हें मैदान पर उनकी शानदार उपलब्धियों और उनके असामयिक निधन से फुटबॉल जगत पर पड़े गहरे प्रभाव को श्रद्धांजलि स्वरूप दिया गया है। क्लब के अनुसार, जोटा और उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा - जो स्वयं भी पेशेवर फुटबॉलर थे - का 3 जुलाई को स्पेन के जमोरा में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था। आंद्रे की उम्र मात्र 25 वर्ष थी। वुल्व्स की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हॉल ऑफ फेम का संचालन एक स्वतंत्र समिति करती है, जिसकी अध्यक्षता क्लब के दिग्गज खिलाड़ी जॉन रिचर्ड्स करते हैं। आमतौर पर किसी खिलाड़ी को हॉल ऑफ फेम में शामिल करने का निर्णय लंबी चर्चा के बाद लिया जाता है, लेकिन इस दुखद घटना के मद्देनजर यह निर्णय सर्वसम्मति से और त्वरित रूप से लिया गया। डिओगो जोटा ने जुलाई 2017 में एटलेटिको मैड्रिड से वुल्व्स में शामिल होकर कुल 131 मैचों में 44 गोल किए थे। उन्होंने 2017-18 सीजन में टीम को चैम्पियनशिप खिताब जिताने और प्रीमियर लीग में प्रमोशन दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। क्लब ने अपने बयान में कहा, ₹क्लब के म्यूजियम के इस सबसे प्रतिष्ठित हिस्से में शामिल करने के लिए आमतौर पर हफ्तों या महीनों तक चर्चा होती है। लेकिन इस मामले में निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया – यह दशार्ता है कि प्रशंसकों और फुटबॉल जगत में उनके लिए कितनी भावनाएं जुड़ी थीं और उन्होंने कितना गहरा प्रभाव छोड़ा है। वुल्व्स क्लब ने यह भी बताया कि वे जोटा और आंद्रे की याद में दो आगामी घरेलू मुकाबलों (9 अगस्त को सेल्टा विगो के खिलाफ अंतिम प्री-सीजन फ्रेंडली और एक सप्ताह बाद मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ प्रीमियर लीग ओपनर) में श्रद्धांजलि देंगे

यूरोपीय दौरा: बेल्जियम ने भारतीय 'ए' पुरुष हॉकी टीम को 3-1 से हराया

एजेंसी

एंटवर्पन (बेल्जियम) : यूरोपीय दौरे के तहत भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एंटवर्पन के स्पोर्टसेंट्रम विलरिज्कसेप्लेन मैदान में खेला गया। भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल कप्तान संजय ने किया। बेल्जियम ने मुकाबले की तेज शुरूआत करते हुए पहले ही क्वार्टर में तीन गोल दाग दिए और भारत पर शुरूआती दबाव बना दिया। हालांकि, इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने संयम बरतते हुए बेहतर खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। अंतिम क्वार्टर में भारत की ओर से एकमात्र गोल हुआ। मैच के बाद टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, ह्लहालांकि शुरूआत थोड़ी कमजोर रही, लेकिन कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा था। हमने जल्दी गोल

गंवाए, लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए खेल को नियंत्रित किया। गेंद की पोजिशनिंग बेहतर थी और हमने कई मौके बनाए, अब हमें फिनिशिंग पर ज्यादा ध्यान देना होगा। उन्होंने आगे कहा, ह्लये खिलाड़ी दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेल रहे हैं, इसलिए उन पर काफी दबाव होता है। बावजूद इसके, ये युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। यह दौरा इनके विकास के लिए बेहद अहम है। अब हमें विश्व नंबर 1 टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ अगला मुकाबला खेलना है। ऐसे अनुभव भविष्य में इन खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद साबित होंगे। भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम अब 18 जुलाई और 20 जुलाई को रात 9:30 बजे और 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) क्रमशः दो अहम मुकाबलों के लिए आइंडहोवन (नीदरलैंड्स) का रुख करेगी और दौरे का समापन सकारात्मक परिणाम के साथ करने की उम्मीद रखेगी।

मध्य प्रदेश में झमाझम बरस रहा मानसून, नदी-नाले उफान पर

आज 23 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मानसूनी सीजन में प्रदेश में हो चुकी औसत 19.2 इंच बारिश

एजेंसी

भोपाल : राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में कहीं तेज बारिश तो कहीं रुक-रुककर बौछारें पड़ रही हैं। मानसून ट्रफ और डिप्रेशन की वजह से प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात हैं। गुरुवार को सतना, डिंडौरी, मऊगंज समेत 26 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। नदी-नाले उफान पर आ गए। आज शुक्रवार को भी ग्वालियर-चंबल के 7 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट है। जबकि 16 जिलों में तेज पानी गिरेगा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को प्रदेश के 23 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इनमें ग्वालियर, अशोकनगर, दतिया, गुना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुर, मुरैना, सागर, निवाड़ी, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, पन्ना, रीवा, मैहर, मऊगंज, सिंगरौली, सीधी, सतना, शहडोल, अनूपपुर और उमरिया शामिल है। इन जिलों में आज और कल के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।जबकि छतरपुर, दमोह, कटनी, पन्ना, सागर, सतना और टीकमगढ़ में अचानक बाढ़ आ सकती है। वहीं, अशोकनगर, दतिया, गुना, ग्वालियर, मुरैना, राजगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और विदिशा जिलों में भी बाढ़ का खतरा है। बता दें कि इस मानसूनी सीजन में प्रदेश में औसत 19.2 इंच बारिश हो चुकी है जबकि अब तक 11.5 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.7 इंच बारिश ज्यादा हो चुकी है। प्रदेश में गुरुवार को बाढ़ जैसे हालात रहे। सतना में 9 घंटे के अंदर 95 मिमी यानी 3.8 इंच पानी गिर गया। रीवा में 2.3 इंच, खजुराहो-टीकमगढ़ में 1.7 इंच, ग्वालियर, मंडला, नौगांव और पचमढ़ी में पौन इंच, भोपाल, सीधी और जबलपुर में आधा इंच पानी गिरा। इसी तरह दतिया, गुना, नर्मदापुरम, शिवपुरी, दमोह, नरसिंहपुर, सागर, सिवनी, उमरिया, बालाघाट, मऊगंज, हरदा, मंदसौर, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, आगर-मालवा, सीहोर समेत कई जिलों में बारिश का दौर रहा। प्रदेश में लगातार बारिश के कारण जनजीवन अस्?त०?यस्?त है। बारिश की वजह से सतना में शासकीय स्वशासी महाविद्यालय की 17, 18 और 19 जुलाई को होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं। डिंडौरी में अतिवर्षा के चलते सरकारी स्कूलों में गुरुवार को अवकाश रहा। मऊगंज के भी सभी स्कूलों में छुट्?टी रही। मऊगंज जिले के नई गढ़ी कस्बे में कई घरों में पानी घुस गया। लोग जरूरी सामान लेकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचे। थाना परिसर भी पानी में डूबा रहा। चित्रकूट की गुप्त गोदावरी गुफा में तेज बहाव के साथ पानी बह रहा है। पर्यटकों के लिए गुफा को बंद करा दिया गया है। प्रदेश में कुल 54 बड़े डैम हैं, जहां पर पानी की आमद तेजी से हो रही है। बाणसागर, बरना, गांधीसागर, गोपीकृष्ण, इंद्रा सागर, केरवा, कलियासोत, कोलार, कुंडालिया, कुशलपुरा, मोहनपुरा, ओंकारेश्वर, राजघाट, बरगी, संजय सागर, तवा, टिल्लर, तिघरा, पेंच, सतपुड़ा समेत अन्य डैमों में पानी बढ़ा है। भोपाल के बड़ा तालाब में भी अच्छे खासी पानी की आमद हो गई है। साढ़े 6 फीट पानी आते ही तालाब ओवरफ्लो हो जाएगा, फिर भदभदा डैम के गेट खोलने पड़ेंगे।

बिहार के पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज और सीवान में भारी बारिश की चेतावनी

पटना : मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में बिहार के पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज और सीवान में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा उत्तर-मध्य बिहार में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। गुरुवार को बिहार में भभुआ के भगवानपुर में सबसे ज्यादा 160.4 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश और दक्षिण-पश्चिम बिहार के आसपास बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से 20 जुलाई से बिहार में बारिश का सिस्टम और सक्रिय होगा, जिसके चलते 20 से 23 जुलाई तक अच्छी बारिश की संभावना है। बीते 24 घंटों में वैशाली, रोहतास, औरंगाबाद और मधुबनी जैसे जिलों में भी अच्छी बारिश हुई, जिसने तापमान को कुछ हद तक नियंत्रित किया। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां भारी बारिश और आंधी की आशंका है। किसानों और बाहर काम करने वालों को बिजली गिरने से बचने के लिए सावधानी बरतने की जरूरत है। बिहार में मानसून का यह दौर अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है, जिससे मौसम और ठंडा होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में आज बिजली गिरने और तेज बारिश की चेतावनी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में आज शुक्रवार को तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 4 दिनों तक दक्षिण छत्तीसगढ़ में मानसूनी गतिविधि बढ़ने की संभावना बनी हुई है। वहीं उत्तरी क्षेत्रों में कल से प्रभाव दिखने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों में सरगुजा संभाग के जिलों में अधिकांश स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई तथा एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हुई. इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस रायपुर में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस पेण्ड्रा रोड में दर्ज किया गया। मौमस विभाग ने अगले 3 घंटों के लिए सुकमा, बीजापुर समेत कई जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है. इनमें सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, गरियाबंद शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश और उससे लगे उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश के ऊपर एक अवदाब स्थित है। इसके पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है।

बंगाल के सरकारी स्कूलों में 35 हजार पद के लिए पांच लाख आवेदन

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा नौ से 12 तक के लिए सहायक शिक्षकों के 35 हजार 726 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) को अब तक पांच लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आयोग के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने बताया कि डब्ल्यूबीएसएससी ने 30 मई को इन पदों के लिए अधिसूचना जारी की थी, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में की गई थी। 16 जून से ऑनलाइन आवेदन पोर्टल शुरू किया गया, जिसकी अंतिम तिथि पहले 14 जुलाई तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे 21 जुलाई तक बढ़ा दिया गया। 17 जुलाई तक पांच लाख आवेदन आ चुके हैं और अभी इसके और बढ़ने की संभावना है। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2016 की नियुक्तियों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए जाने के बाद इस नई प्रक्रिया की शुरूआत की गई है। कोर्ट ने अप्रैल में 2016 की राज्य स्तरीय चयन परीक्षा (एसएलएसटी) से की गई 25 हजार 753 शिक्षकों की नियुक्तियों के साथ-साथ ग्रुप 'सी' और ग्रुप 'डी' कर्मियों की नियुक्तियां भी निरस्त कर दी थीं। कोर्ट के आदेश के अनुसार राज्य सरकार को 31 मई से पहले नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का शपथपत्र दाखिल करना था, जिसे देखते हुए आयोग ने यह नई प्रक्रिया शुरू की। 2016 की भर्ती में तीन लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आयोग ने 17 हजार 206 में से 15 हजार 403 शिक्षकों को 'विशेष रूप से अयोग्य नहीं पाए जाने' के आधार पर दिसंबर तक वेतन प्राप्त करने की अनुमति दी है, जबकि शेष शिक्षकों को स्कूल लौटने से रोक दिया गया है। आयोग ने पहले स्पष्ट किया था कि तीन और 17 अप्रैल को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के विरुद्ध राज्य सरकार और आयोग ने पुनर्विचार याचिका दायर की है, और पूरी प्रक्रिया न्यायालय के अंतिम निर्णय और दिशा-निर्देशों के अधीन होगी। इस बीच, 'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम' के पदाधिकारी चिन्मय मंडल ने नए आवेदन प्रक्रिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम आवेदन संख्या पर कुछ नहीं कहना चाहते। लेकिन जो लोग 2016 की परीक्षा पास कर चुके हैं, वे अब अपने पूर्व छात्रों के साथ परीक्षा में बैठेंगे, जो स्नातक और परास्नातक कर चुके हैं। यह स्थिति बेहद असहज है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आयोग और शिक्षा विभाग को इतनी जल्दीबाजी नहीं करनी चाहिए थी, बल्कि ह्यअयोग्य नहीं पाए गए शिक्षकोंह्न के पक्ष में मजबूत कानूनी दलीलें तैयार कर सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत करनी चाहिए थीं।

एक दिन के निलंबन के बाद अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू, 7,900 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी

जम्मू : कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण एक दिन के निलंबन के बाद अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को फिर से शुरू हो गई है। 7,900 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचे श्री अमरनाथ मंदिर की गुफा में प्राकृतिक रूप से विराजमान भगवान भोले शंकर के दर्शनों के लिए दो आधार शिविरों के लिए जम्मू से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा कश्मीर के पहलगाम और बालटाल के दो आधार शिविरों से भी फिर से शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ और पुलिस कर्मियों की सुरक्षा में 7,908 तीर्थयात्रियों का 16वां जत्था जिसमें 5,957 पुरुष, 1,613 महिलाएं, 26 बच्चे और 310 साधु-साध्वियां शामिल हैं 261 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से सुबह 3:30 बजे से 4:25 बजे के बीच दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि पहला तीर्थयात्री काफिला 92 वाहनों में 2,879 तीर्थयात्रियों को लेकर गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे छोटे लेकिन अधिक ढलान वाले बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुआ जिसके बाद 169 वाहनों में 5,029 तीर्थयात्रियों का दूसरा काफिला अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा कर रहा है। इसके साथ ही 2 जुलाई को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने के बाद से अब तक कुल 1,09,461 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। बम बम भोले और हर हर महादेव के जयकारों के बीच उत्साही तीर्थयात्री धार्मिक उत्साह के साथ जम्मू से अमरनाथ के लिए रवाना हुए जो देवत्व की नगरी में तब्दील हो गया। मौके पर पंजीकरण के लिए काउंटरों पर भारी भीड़ है और देश के विभिन्न हिस्सों से 4,000 से अधिक नए श्रद्धालु पंजीकरण कराने के लिए जम्मू पहुंचे हैं। उन्हें विभिन्न आवास केंद्रों में ठहराया गया है।

3 जुलाई को घाटी से यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 2.50 लाख तीर्थयात्री इस पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक 4 लाख से ज्यादा लोगों ने तीर्थयात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने बाबा बफार्नी के दर्शन किए थे। 38 दिनों तक चलने वाली यह तीर्थयात्रा 9 अगस्त को समाप्त होगी। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में पिछले 36 घंटों से हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार को जम्मू के साथ-साथ पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों से भी अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई थी।

मप्र में प्राथमिक शिक्षकों की 13,089 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

भोपाल : प्रदेश के सरकारी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षकों के 13 हजार 89 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए इच्छुक उम्मीदवार आज (18 जुलाई) से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया एक अगस्त तक चलेगी। इस भर्ती प्रक्रिया में बीएड डिग्री धारियों को पात्र नहीं माना गया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षकों के 10 हजार 150 पद और जन जातीय कार्य विभाग में दो हजार 939 पदों पर भर्ती होगी। इसके लिए पात्र अभ्यर्थी एक अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। वहीं आवेदन पत्र में संशोधन छह अगस्त किया जा सकेगा। परीक्षा आरंभ करने की संभावित तिथि 31 अगस्त बताई गई है। इस चयन परीक्षा के लिए वहीं अभ्यर्थी पात्र होंगे, जिन्होंने ईएसबी द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ष 2020 और 2024 में निर्धारित प्रतिशत के साथ अर्हता हासिल किया है। इसमें पात्रता के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा यानी डीएलएड और प्रारंभिक शिक्षा में स्नातक यानी बीएलएड को ही रखा गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने गुरुवार को ही भार्तियों को लेकर समीक्षा की थी। इसमें सभी विभागों के रिक्त पदों पर तेजी के साथ भर्ती करने के निर्देश दिए गए थे।

रक्षाबंधन को लेकर खोला गया वाटरप्रूफ लिफाफे का काउंटर

हल्द्वानी : रक्षाबंधन पर बहनों की राखियों को भाइयों तक पहुंचाने के लिए डाक विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बारिश में राखियां खराब न हो इसके लिए वाटरप्रूफ लिफाफे बिकी के लिए डाकघर में उपलब्ध रहेंगे। इसकी कीमत 10 रुपये है। इसके लिए डाक विभाग की ओर से 8500 लिफाफे मंगाए गए हैं। ये लिफाफे आज से ही उप डाकघरों में भी मिलेंगे। इसके तहत भोटिया पड़ाव और काठग्रेदाम उप डाकघर में 500-500 लिफाफे भेजे गए हैं। कुसुमखेड़ा, बरेली रोड ब जेल रोड़ में 200-200 और कटघरिया में 100 लिफाफे उपलब्ध कराए गए हैं। लिफाफे खरीदने में धक्का-मुक्की रोकने के लिए मुख्य डाकघर में अलग से काउंटर की व्यवस्था की गई। इसी के बगल में राखी को भेजने के लिए रजिस्ट्री की व्यवस्था है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार के आज के शुरूआती कारोबार में दबाव नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मामूली गिरावट के साथ हुई । बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने उछल कर कुछ देर के लिए हरे निशान में अपनी जगह भी बनाई, लेकिन कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर गए। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.30 प्रतिशत और निफ्टी 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, ओएनजीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयर 1.12 प्रतिशत से लेकर 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टेक महिंद्रा और कोटक महिंद्रा के शेयर 3.86 प्रतिशत से लेकर 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,322 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,239 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,083 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 19 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 65.62 अंक की कमजोरी के साथ 82,193.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 82,334.75 अंक तक पहुंच गया। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक दोबारा लाल निशान में गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 247.58 अंक की कमजोरी के साथ 82,011.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 2.90 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 25,108.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 25,144.60 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 67.95 अंक टूट कर 25,043.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 375.24 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,259.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 100.60 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,111.45 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

व्यापारी से 32लाख की लूट करने वाले दो और बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद : थाना कौशाम्बी पुलिस ने गुरुवार रात में ग्रोसरी कारोबारी से तमंचों के बल पर 32 की लूट करने वाले दो और बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। दोनों ही बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों के कब्जे से दो तमन्चे,कारतूस तथा व्यापारी से लूटे गए 32 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार की रात में थाना कौशाम्बी पुलिस अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाऐ जा रहे अभियान के अंतर्गत रूटीन चेकिंग में टीम बनाकर 2/5 की पुलिया वैशाली पर इन्दिरापुरम की तरफ से आने वाले व वैशाली को जाने वाली रोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी एक काले रंग की स्पेलैण्डर प्लस मोटर साइकिल बिना नम्बर प्लेट पर सवार 02 व्यक्ति इन्दिरापुरम की तरफ से आते दिखायी दिये। जिन्हें चेकिंग के लिए रोकने का इशारा किया गया तो मोटर साइकिल सवार दोनों व्यक्ति एक दम से बायी तरफ मुड़कर तेज गति से सेक्टर 2/5 पुलिया की ओर एलीवेटेड के नीचे बने कच्चे रास्ते से यूपी गेट की तरफ भागने लगे । शक होने पर पुलिस ने मोटर साइकिल का पीछा किया और रोकने का प्रयास किया तो मोटर साइकिल सवार बदमाश भागते समय रास्ता उबड-खाबड होने के कारण फिसल कर गिर गये। बदमाशों ने स्वयं को घिरा देख पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया । पुलिस ने जवाबी करवाई की। जिसमें दोनों बदमाश घायल हो गए। घायल बदमाश प्रवेश निवासी गेदनपुर शेखपुर बुलन्दशहर तथा सचिन निवासी खोदनाकला थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर हैं। बदमाशों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि दोनों ने अपने 08 अन्य साथियों के मिलकर लूट की थी।। आज दोनों अपने हिस्से में आए 02-02 लाख रुपये लेकर मोटर साइकिल से जा रहे थे। जो पैसे दोनों से बरामद हुए, वो इसी लूट की घटना से सम्बन्धित है ।

ट्रक ने इनोवा कार को मारी टक्कर, 8 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल

जम्मू, :जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बट्टल बल्लियां के पास एक ट्रक ने इनोवा कार को टक्कर मार दी जिससे 8 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पवित्र अमरनाथ मंदिर जा रहे आठ तीर्थयात्री उधमपुर जिले के बट्टल बल्लियां के पास एक ट्रक की इनोवा कार से टकराने से घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब पीबी 65ए वी/9318 पंजीकरण संख्या वाले एक ट्रक ने पहलगाम यात्रा मार्ग केत लिए तीर्थयात्रियों को ले जा रही इनोवा (यू पी81बी एन/3701) को टक्कर मार दी। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार दुर्घटना के समय वाहन में आठ यात्री सवार थे जिनमें से तीन को मामूली चोटें आईं और उनका मौके पर ही इलाज किया गया। हालाँकि, पाँच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत आगे की चिकित्सा के लिए उधमपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज के संबद्ध अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच जारी है।

असम पुलिस की बड़ी कामयाबी, 6 करोड़ की याबा टेबलेट जब्त

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने एक बड़ी मादक पदार्थ विरोधी कार्रवाई में सफलता पर श्रीभूमि पुलिस और असम पुलिस की सराहना की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक विशेष सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में 30,000 याबा टेबलेट बरामद की गई हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग छह करोड़ रुपये आंकी गई है। इस सिलसिले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है ताकि नशीले पदार्थों के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके। मुख्यमंत्री सरमा ने इस कार्रवाई के लिए असम पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि सरकार राज्य को ड्रग्स मुक्त बनाने के लिए कृत संकल्प है।

एक युवक की उसके घर में घुसे लुटेरे के साथ हुई झड़प में मौत

कुलगाम : कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके में गुरुवार देर रात एक युवक की उसके घर में घुसे एक लुटेरे से हुई झड़प में मौत हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एक लुटेरा जो सुरक्षाबलों का सदस्य बनकर तलाशी लेने के बहाने किशगुंड, संगरान निवासी मोहम्मद यासीन बंदे के घर में घुस आया। कुछ गड़बड़ होने का आभास होने पर मकान मालिक के बेटे जाहिद अहमद बंदे ने घुसपैठिए का सामना किया और उसे पकड़ने की कोशिश की जिसके बाद दोनों पक्षों में हाथापाई हो गई। झड़प के दौरान लुटेरे द्वारा धारदार हथियार से हमला किए जाने से जाहिद गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत काजीगुंड के आपातकालीन अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसकी मौत हो गई। परिवार के अन्य सदस्यों ने लुटेरे को पकड़कर काजीगुंड पुलिस के हवाले कर दिया। उसके पास से एक खिलौना पिस्तौल और एक धारदार चाकू बरामद किया गया है। झड़प के दौरान घायल हुए लुटेरे को इलाज के लिए जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना की गहन जाँच शुरू कर दी गई है।

झालदा में सड़क बनी दलदल, लोगों का आना-जाना मुश्किल

पुरुलिया : झारखंड से लगे पश्चिम बंगाल के झालदा-2 ब्लॉक के कई गांवों के लोग बुरी तरह परेशान हैं। चितमु, गुड़िडी, ताहेरबेरा और कांशिडी जैसे गांवों के निवासियों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग की हालत बेहद खराब हो चुकी है। दरअसल एक बड़े तालाब की मिट्टी काटकर सड़क पर फेंक दी गई, जिससे बरसात में सड़क दलदल में तब्दील हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। किसान इसी रास्ते से झारखंड के जेनामोड़ और बोकारो तक आसानी से कृषि सामग्री लेकर जाते थे। साथ ही, गुड़िडी के निवासी पुंदाग या कोटशिला भी इसी मार्ग से पहुंचते थे। लेकिन अब मात्र 400 मीटर सड़क की खराब हालत के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गुड़िडी के निवासी शुभजीत गराई और हृषिकेश गराई का कहना है, ह्लतालाब की मिट्टी को सड़क पर अवैध तरीके से फेंक दिया गया। इससे हमें कोटशिला जाने के लिए सात किलोमीटर और पुंदाग स्टेशन के लिए 17 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मार्च-अप्रैल में चितमु में एक बड़े बांध की मरम्मत की गई थी। उस मरम्मत के बाद निकली मिट्टी को पास की पक्की सड़क पर ही डाल दिया गया। अब बारिश के कारण मिट्टी दलदल बन गई है, जिससे सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि वहां से गुजरना तकरीबन नामुमकिन हो गया है। पैदल चलने पर भी घुटनों तक कीचड़ हो जाता है, वहीं वाहन चलाना तो बिल्कुल असंभव हो गया है। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जिला परिषद के लोक निर्माण विभाग के कार्याध्यक्ष हंसेश्वर महतो ने कहा कि समस्या की जानकारी मिली है। लोग वाकई में कठिनाई में हैं। इसका समाधान कैसे किया जाए, हम देख रहे हैं। स्थानीय तृणमूल नेता मंटू गराई और जिला परिषद सदस्य युग्नीबाला गराई ने बताया कि तालाब के बांध की मरम्मत के दौरान सड़क किनारे ही मिट्टी डाली गई थी। उसपर मुरम डालने की योजना थी, लेकिन लगातार बारिश के चलते काम अधूरा रह गया। अभी खेती का मौसम है और ट्रैक्टर की आवाजाही से स्थिति और बिगड़ गई है। बारिश के बाद काम पूरा कर दिया जाएगा। ग्रामीणों की मांग है कि सड़क की तत्काल मरम्मत की जाए या कम से कम वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि उनके दैनिक आवागमन, खासकर खेतों और स्टेशनों तक पहुंचने में परेशानी ना हो।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नसों की बीमारी, पैरों में आने लगी सूजन

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप को उम्रजनित शारीरिक दिक्कतें शुरू हो गई हैं। 79 वर्षीय ट्रंप को नसों की बीमारी हो गई है। इससे उनके पैरों में सूजन आने लगी है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ में चोट के निशान हैं। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस ने आधिकारिक विज्ञप्ति में चिकित्सक के हवाले से कहा कि ट्रंप के शरीर में क्रोनिक शिरापरक की अपर्याप्तता है। यह ऐसी स्थिति होती है जिससे जिसमें पैरों को हृदय तक रक्त पहुंचाने में परेशानी होती है। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा विज्ञान में साफ किया गया है कि क्रोनिक शिरापरक अपर्याप्तता पीड़ित व्यक्ति के पैरों की नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस वजह से रक्त को हृदय तक वापस ले जाने में मुश्किल होती है। इससे पैरों में रक्त जमा हो जाता है। पैरों में रक्त जमा हो जाने से सूजन, दर्द, और त्वचा में परिवर्तन आ जाता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट गुरुवार दोपहर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह बीमारी आमतौर पर 70 वर्ष से अधिक उम्र के बाद होती है।

बिहार में पूर्व से बना वोटर लिस्ट अगर गलत है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस्तीफा देकर फिर से चुनाव करानी चाहिए : संजय प्रसाद यादव

संवाददाता

दुमका : चुनाव आयोग द्वारा बिहार में वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण के बाद 35.5 लाख मतदाताओं के पते पर न पाए जाने और 54.5 लाख मतदाताओं द्वारा फॉर्म नहीं भरे जाने का मुद्दा आगामी विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय जनता दल के नेता और झारखंड सरकार में श्रम नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल पर कि इस स्थिति से किस राजनीतिक दल को नुकसान हो सकता है, मंत्री संजय यादव ने इस वोटर लिस्ट को गलत बताये जाने पर चुनौती देते हुए कहा कि यदि यह वोटर लिस्ट गलत मानी जा रही है, तो बिहार के पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों को रद्द करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस्तीफा देकर फिर से चुनाव कराए जाने चाहिए।

संजय यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जब भी चुनाव का समय आता है, भारतीय जनता पार्टी देश में 'हिंदू-मुसलमान' का मुद्दा उठाकर जनता को भ्रमित करने का काम करती है। उन्होंने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के मुद्दे पर केंद्र सरकार और सीमा सुरक्षा बल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि देश में अवैध अप्रवासी हैं, तो केंद्र सरकार उन पर कार्रवाई क्यों नहीं करती।

18 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोतिहारी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के आगामी बिहार विधानसभा चुनावों पर पड़ने वाले असर को लेकर भी मंत्री संजय यादव ने अपना मत व्यक्त किया। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने पिछले झारखंड विधानसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय भी प्रधानमंत्री मोदी के कई दौरे और कार्यक्रम हुए थे, लेकिन भाजपा बुरी तरह से हार गई थी।

मंत्री संजय यादव ने दावा किया कि बिहार के युवाओं और महिलाओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव को आशीर्वाद देने का मन बना लिया है। मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष डॉ.अमरेंद्र कुमार यादव, राजद नेता प्रवीर कुमार वर्मा, सरैयाहाट प्रखंड अध्यक्ष राकेश यादव मसलिया प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण राउत, युवा नेता उमेश ठाकुर, विजय कुमार, अफरोज आलम, मो अली सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

पोगलोया बर टोली ग्रामीणों ने श्रम दान कर बाढ़ से टूटे सड़क बनाने में जुटे

संवाददाता

पोगलोया बर टोली में बारिश से सड़क टूटने के कारण गांव एंबुलेंस,कार, ऑटो नहीं पहुंचने के कारण एकजुट होकर श्रम दान किया। लगभग साल भर पहले भी ग्रामीण श्रम दान कर आने जाने का रास्ता बनाया था लेकिन विभाग द्वारा अभी तक कोई पहल नहीं, ग्रामीणों ने बताया कि मुखिया से रास्ता बनाने की मांग किया गया है लेकिन उनके द्वारा बताया गया कि फंड ही नहीं है खानापूर्ति के लिए कुछ दूरी के लिए गार्डवाल बनाया गया,ऐसे में ग्रामीणों के पास एक मात्र उपाय श्रम दान। आखिरकार कब तक श्रम दान करे ग्रामीण ?

सिमडेगा जिला के कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत एडेगा पंचायत के पोगलोया बर टोली से राम जड़ी बाजार तक कच्ची सड़क है एक माह से लगातार हो रही बारिश के कारण पोगलोया बर टोली कच्ची सड़क बारिश की बाढ़ से टूटने के कारण कार, ऑटो, एंबुलेंस, भी नहीं जा पा रही है। पोगलोया बडका टांड़ आंगनवाड़ी की स्वास्थ्य सहिया ने बताई की बिगत

दिन रात्रि के समय पोगलोया बर टोली के कैलाश सिंह के गर्भवती पत्नी की तबियत खराब होने के कारण रात्रि में ही खाट से रामजडी बाजार एंबुलेंस तक पहुंचाया गया। और कोलेबिरा सी एच सी तक पहुंचाया गया। पोगलोया बर टोली के ग्रामीणों ने बताया गांव में एंबुलेंस नहीं पहुंचे के कारण गांव के ही एक गर्भवाती महिला सरस्वती देवी पति सुरेन्द्र सिंह उर्फ पांडु सिंह की तबीयत रात्रि 9से 10 बजे लगभग खराब हो गई ।11 से 12बजे रात्रि में लचरागढ़ से एएनएम, नर्स एवं गांव से दाई बुलाकर घर पर ही डिलीवरी कराया गया। इसे देखते हुए ग्रामीण एकजुट होकर सड़क को श्रम दान कर बनाने का निर्णय लिया और श्रम दान कर सड़क बनाने में जुटे । ग्रामीणों ने बताया बरसात का पानी का बहाव इस मार्ग में बहुत ज्यादा होती है, गढ़वाल का निर्माण किया गया है। लेकिन गढ़वाल में मिट्टी भी नहीं भरा गया है। ग्रामीणों ने नया गढ़वाल बनाने साथ में गढ़वाल की लंबाई बढ़ाने की मांग एवं एक पुलिया बनाने की मांग मुखिया एवं विभाग से की है। मौके पर पोगलोया बर टोली के कैलाश सिंह, शंकर सिंह, टकबर सिंह, शत्रुध्न सिंह, सुरेश सिंह, सुरेंद्र सिंह,सुंदरा सिंह, लक्ष्मण सिंह, दामोदर सिंह, टोपी सिंह, कन्हैया सिंह, रामटहल सिंह, सुषमा देवी, के अलावा गांव के और भी महिलाओं ने मिलकर श्रम दान किया।

आकाशवाणी गायिका प्रभा भादुड़ी हुई सम्मानित

साहिबगंज : संस्कार भारती के प्रमुख आयोजनों में से एक गुरु पूजन उत्सव के अंतर्गत बुधवार देर शाम जयप्रकाश चौक स्थित प्रसिद्ध आकाशवाणी गायिका व संगीत शिक्षाविद् प्रभा भादुड़ी जी के निवास पर जाकर उन्हें सम्मानित किया गया।यह सम्मान संस्कार भारती,साहिबगंज इकाई की ओर से प्रदान किया गया।इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी की एक विशेष टोली ने प्रभा दीदी के दीर्घकालिक योगदान और संगीत साधना को नमन करते हुए उन्हें पुष्पमाला अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट किया।टोली में प्रमुख रूप से संगठन की मंत्री ममता विद्यार्थी,अध्यक्ष सत्यजीत कृष्णा,भावेश नारायण,बिपलब सर, रामानंद, शालिनी,श्वेता दत्ता, पूनम तिवारी गुंजा मुकेश ब्रजेश बमबम, संध्या किरण, शिप्रा, वेदिका, पीहू, परी आदि शामिल थे।कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि संगीत से जुड़े सभी सदस्यों ने अपनी-अपनी मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को भावविभोर कर दिया।पूरा माहौल संगीतमय हो गया।कार्यक्रम के अंत में प्रभा दीदी ने अपने सुमधुर भजनों से सभी को मंत्रमुग्ध करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

उपलब्धि और कामयाबी के मिसाल हैं कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय

ज्योति पाठक

पुलिस की कारगर कारवाई, बेहतर प्रयास और कामयाबी की बात चलती है तो कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय का नाम स्वतः ही जुंबा पर चला आता है।

डीएसपी श्री सोय की यह विशेषता है कि अपराध नियंत्रण, अपराधियों की धरपकड़ के लिए उनकी कार्यशैली किसी फिल्म की शैली की तरह देखने को मिलती है। नशा कारोबारियों के खोज खबर लेने और उन्हें रंगे हाथ पकड़ने के लिए ऑटो में बैठकर उन तक पहुंचना और उन्हें गिरफ्तार करना तो कभी बाराती बनकर वेशभूषा बदलकर बदमाशों को धर दबोचना उनकी उपलब्धि में शामिल है। श्री सोय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में भी बेहतर और उत्कृष्ट कार्य किया और नक्सलियों को बैकफुट पर भेजा। अपनी उपलब्धि और कामयाबी के फलस्वरूप राज्य के गृह मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर श्री सोय पुलिस आंतरिक सुरक्षा पद से सम्मानित किए जाएगें इससे पूर्व भी उन्हें कई बार सम्मानित किया जा चुका है। ऐसे पुलिस पदाधिकारी से विभाग और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं ऐसे पुलिस पदाधिकारी पर हमें गर्व है।

सिसई स्थित प्राचीन शिव मंदिर में बीते रात तोड़फोड़ की घटना घटी

गुमला : गुमला जिला के सिसई में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में बीते रात तोड़फोड़ की घटना घटी है। जिससे कि स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है' आक्रोशित लोगों ने सिसई में नेशनल हाईवे को जाम कर दिया है। दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग उठी है। जानकारी के अनुसार गुमला जिला के सिसई में स्थित पुरानी शिव मंदिर में बीती रात लोगों ने भगवान के मूर्ति के साथ तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया है। इस बात की जानकारी लोगों को अहले सुबह को मिला' इसके बाद लोग आक्रोशित दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हाइवे को जाम कर दिया ' इस बात की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन मंदिर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन आरंभ कर दी है।

अब बदलेगा मौसम, मिलेगी झमाझम बारिश से राहत

जमशेदपुर : पिछले दिनों लगातार हो रही बारिश और नहीं निकल रही धूप के कारण लोग परेशान थे लेकिन पिछले दो दिनों से भले बारिश हो रही है लेकिन धूप भी अच्छी हो रही है जिससे आम लोगों को राहत मिली है। इधर मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक बहुत तेज बारिश होने का अनुमान नहीं जताया हैं लेकिन थोड़ी बहुत बारिश हो सकती है। इससे किसानों को राहत मिली है और वह खेतों में बीज लगा सकते हैं। जिससे की पौध तैयार होकर निकलेगा।

जिले के 20 अस्पतालों पर आयुष्मान में गड़बड़ी की जांच शुरू

धनबाद : धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच), सदर अस्पताल, गोविंदपुर व तोपचांची सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) समेत जिले के 20 अस्पताल आयुष्मान भारत योजना की नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट (नाफू) के रडार पर हैं। इन सभी संस्थानों पर तकनीकी रूप से नाफू ट्रिगर लगा है। यहां आयुष्मान से इलाज में गड़बड़ी की आशंका है। प्रारंभिक जांच में आपत्तियां सामने भी आई हैं। नाफू ने सदर अस्पताल के 11 मामलों में आपत्ति जताई है। वहीं धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चार मामलों पर सवाल खड़े किए हैं। गोविंदपुर और तोपचांची सीएचसी के भी कुछ मामलों में गड़बड़ी पाई गई है। इन सरकारी अस्पतालों में आपत्ति के केंद्र में मरीज की डिस्चार्ज प्रक्रिया में देरी, उचित दस्तावेज का अभाव और मल्टी सर्जरी जैसे मामले शामिल हैं। वहीं निजी अस्पतालों के मामलों में अलग-अलग प्रकार की अनियमितताएं उजागर हुई हैं। कुछ मामलों में आयुष्मान के लाभ के बावजूद मरीज से अतिरिक्त पैसे की वसूली, ज्यादा बिल, एक ही मरीज को कुछ समय अंतराल पर दोबारा इलाज जैसे मामले हैं। अधिकारियों के अनुसार नाफू की ओर से चिह्नित सभी मामलों की जांच चल रही है। संबंधित अस्पतालों को भी उन पर लगे आरोपों में स्थिति स्पष्ट करनी होगी। अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो कार्रवाई की जा सकती है। अधिकांश निजी अस्पताल पहले से जांच के घेरे में इस बार नाफू ट्रिगर में फंसे अधिकांश निजी अस्पताल पहले से जांच के घेरे में हैं। इसमें अधिकांश का बकाया बिल का भुगतान रुका हुआ है। ये अस्पताल दोबारा नाफू ट्रिगर में आ गए हैं। डीजीआरसी में पक्ष रखेंगे अस्पताल संचालक आयुष्मान से जुड़े मामलों को लेकर जिलास्तर पर डिस्ट्रिक्ट ग्रीवांस रिड्रेसल कमेटी (डीजीआरसी) बनी हुई है। इसमें सभी संबंधित अस्पताल अपना पक्ष रखेंगे। कमेटी के निर्णय के आलोक में जिले से नाफू को रिपोर्ट भेजी जाएगी। निजी अस्पतालों ने बंद कर रखा है इलाज नाफू ट्रिगर समेत अन्य मामलों को लेकर जिले के लगभग सभी निजी अस्पतालों ने आयुष्मान से इलाज बंद कर रखा है। सभी का बकाया बिल का भुगतान लंबित है। इसमें 15 अस्पतालों की जांच की जा चुकी है। पिछले दिनों जिलास्तर से आठ अस्पतालों को ट्रिगर से बाहर करने के लिए नाफू को रिपोर्ट भेजी गई थी। अभी तक उसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

रंका अनुमंडलीय पुलिस कार्यालय का डीआईजी ने किया निरीक्षण

दस्तावेजों की जांच में मिली खामियां, समय पर सुधार नहीं होने पर सर्विस रिकॉर्ड में चढ़ेगी प्रतिकूल टिप्पणी

बिनय मिश्रा

गढ़वा : पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने गुरुवार को रंका स्थित अनुमंडलीय पुलिस कार्यालय का निरीक्षण किया। कार्यालय पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में डीआईजी ने कार्यालय से संबंधित केस डायरी, अभिलेख रजिस्टर और अन्य प्रशासनिक दस्तावेजों की विस्तार से जांच की। कई कागजात व्यवस्थित और अद्यतन मिले, लेकिन कुछ फाइलें लंबे समय से अपडेट नहीं

थीं। इस पर नाराजगी जताते हुए डीआईजी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अगली बार तक यदि सभी रिकॉर्ड अद्यतन नहीं मिले, तो संबंधित कर्मियों के सर्विस रिकॉर्ड में प्रतिकूल टिप्पणी दर्ज की जाएगी।

इसके पूर्व उन्होंने निरीक्षक कार्यालय मझिआंव का भी निरीक्षण किया, जहाँ निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी ने उन्हें दस्तावेजों की जानकारी दी। इस अवसर पर गढ़वा एसपी अमन कुमार भी मौजूद रहे। यहां डीआईजी ने निरीक्षण के बाद संतोष जताया कि अधिकतर फाइलें सुव्यव्यथित और अद्यतन हैं लेकिन सुधार की आवश्यकता अब भी है। मौके पर डीआईजी ने एसपी अमन कुमार को निर्देश दिया कि सर्वप्रथम वे थाना इंस्पेक्टर व एसडीपीओ कार्यालय स्तर पर निरीक्षण कर वस्तु स्थिति का जायजा लें। डीआईजी ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि वे अनुशासित और जवाबदेह वातावरण बनाए रखें। उन्होंने जनता के साथ बेहतर संवाद और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता भी जताई।

सावन माह को लेकर उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि कांवरियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न रहे और हर स्थिति पर सजग नजर रखी जाए।

डीआईजी ने अंत में कहा कि हर पुलिसकर्मी को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ करनी होगी।

न्यूज IN ब्रीफ

एफआईआर दर्ज करने के लिए सुबह होने का इंतजार करते है जीआरपी पुलिस

साहिबगंज : बीते संध्या आरपीएफ द्वारा दो नाबालिक लड़कियों को दो तस्करों के चंगुल से बचाया गया।जिसके बाद इसकी सूचना मंथन संस्था चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज को दी गई। वही आरपीएफ इंस्पेक्टर गुलाम सरवर ने जानकारी देते हुए, बताया कि उप-निरीक्षक हिमांशु कुमार के नेतृत्व में गस्त ड्यूटी के दौरान प्लेटफार्म संख्या एक पर मौजूद बुकिंग काउंटर के समीप दो नाबालिक लड़कियों को दो व्यक्तियों के साथ बैठे देखा गया।तभी आरपीएफ को दोनों व्यक्तियों पर संदेह होने लगा तभी पुलिस द्वारा बच्चियों से पूछताछ की गई।पूछताछ में बच्चियों ने बताया कि वह लोग दोनों व्यक्ति तालु सोरेन, विजय हेंब्रम जो कि छोटा पहाड़पुर ,बांझी बाजार , बोरियो थाना के निवासी है। उक्त दोनों व्यक्तियों द्वारा उन्हें काम का झांसा देकर पानीपत हरियाणा लेजाया जा रहा था।तभी आरपीएफ द्वारा उक्त व्यक्तियों से पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि वह बच्चियों को ले जाकर पानीपत हरियाणा में किसी व्यक्ति को सपने वाले थे जहां उन बच्चियों से गन्ने के खेत में गन्ने काटने का काम करवा जाता। जिसके एवज में बच्चियों को 5 हजार रुपये का महीना दिया जाता।तस्करों द्वारा पुलिस को यह भी बताया गया कि दोनों बच्चियों को ले जाने के एवज में उन लोगों को 10 हजार रुपये दिए गए हैं। इसके बाद आरपीएफ द्वारा फिर करने को लेकर सूचना जीआरपी को दी गई। जीआरपी थाना में ऑपरेटर नहीं रहने की वजह से एफआईआर दर्ज नही किया गया,जिसके बाद बुधवार की दोपहर काफी विलंब होते हुए जीआरपी द्वारा एफआईआर दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की गई और बच्चों को मंथन चाइल्ड हेल्पलाइन की मदद से बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।और दोनों तस्करों को जेल भेज दिया गया। मौके पर सबल किशोर,कुमारी दुर्गेश यादव, रजत कामत आदि मौजूद रहे।

सांसद विजय हांसदा ने शिवगादी धाम में की पूजा-अर्चना

साहिबगंज/बरहेट : जिले में स्थित मिनी बाबा धाम के नाम से प्रसिद्ध बाबा गाजेश्वर नाथ धाम शिवगादी धाम मे गुरुवार को राजमहल लोकसभा के युवा सांसद विजय कुमार हांसदा शिवगादी धाम पहुंचे।शिवगादी प्रबंध समिति के अध्यक्ष रूपक कुमार साह और बरहेट प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे ने अगं वस्त्र एवं शिवगादीधाम की तस्वीर देकर गर्म जोशी के साथ किया स्वागत।गाजेश्वर नाथ मंदिर के गर्भगुह में जाकर विधि-विधान से मंदिर के पुरोहित ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा-अर्चना कराई !सांसद ने झारखंड के जनक आदिवासियों का मसीहा दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन के स्वास्थ्य कों लेकर भोले बाबा से मन्नतें मांगी।मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडीबरहेट प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी,सचिव मुजीबुर रहमान जिप सदस्य जेठा मुर्मू,समदा सोरेन,बरहरवा नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो,शिवगादी प्रबंध समिति से सचिव उत्पल दत्ता,कोषाध्यक्ष प्रदीप डोकनिया संरक्षक निमाई चंद्र शील,सदस्य गुंजन सिंघानिया प्रदीप मिश्रा,विपिन गुप्ता,सहित अन्य मौजूद थे।

जमशेदपुर विमेंस यूनिवर्सिटी में तीसरी मेधा सूची से नामांकन

जमशेदपुर : जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में भले ही यूजी नए सत्र का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित कर लिया गया हो, लेकिन अभी भी विश्वविद्यालय में यूजी की बची हुई सीटों पर नामांकन लेने की प्रक्रिया चल रही है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए तीसरी मेधा सूची जारी कर दी है। इस तीसरी मेधा सूची से अब नामांकन लिए जा रहे हैं। चांसलर पोर्टल पर किए गए आवेदनों के आधार पर जारी इस तीसरी मेधा सूची में बॉटनी, रसायन, गणित, भौतिकी, कॉमर्स, अर्थशास्त्र, हिन्दी, होम साइंस, भूगोल, फिलॉस्फी, पॉलिटिकल साइंस, साइकॉलोजी, संस्कृत, बीबीए, बीसीए, सीएनडी एव बायोटेक की छात्राओं की सूची जारी की गई है। इसी सूची के आधार पर अब बची सीटों पर उनका नामांकन किया जा रहा है।

एनडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति की गई

बिनय मिश्रा : देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के अवसर पर देवतुल्य श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए एनडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि किसी भी प्रकार के आपदा घटित होने की स्थिति में लोगों का तुरंत बचाव किया जा सके। ऐसे में एनडीआरएफ की 34 सदस्यीय टीम शिवगंगा में चौबिसों घंटे प्रतिनियुक्त की गयी है। साथ ही उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार मंदिर प्रांगण में एनडीआरएफ की मेडिकल टीम भी श्रद्धालुओं की सेवा में तैनात की गई हैं। इसके अलावे देवतुल्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर इंस्पेक्टर के साथ एनडीआरएफ की टीम शिवगंगा से लेकर मंदिर क्षेत्र में किसी भी आपदा से निपटने हेतु प्रतिनियुक्त की गई हैं। साथ ही शिवगंगा में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ होती है और पानी गहरा होने के कारण अप्रिय घटना होने की संभावना बनी रहती है ऐसे में एनडीआरएफ की टीम मोटर बोट के माध्यम से पूरे शिवगंगा सरोवर की 24 घंटे सातों दिन मॉनिटरिंग कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मुस्तैद हैं।

राजकीय श्रावणी मेला के अवसर पर तैनात एनडीआरएफ की टीम के जवानों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। टीम में नई रबड़ की नौका, लाइफ जैकट्स, गोताखोरों की टीम, मेडिकल किट एंव अन्य उपकरणों के साथ अपने-अपने चिन्हित स्थल पर प्रतिनियुक्त है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए एनडीआरएफ के चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, नर्सिंग अस्टिेंट को भी तैनात किया गया है, जो कि श्रद्धालुओं की सेवा व सहयोग में पूर्ण रूप से सक्रिय होकर कार्य कर रही हैं।